हिन्दी दैनिक

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

जमशेदपुर से प्रकाशित

जमशेदपुर,
बुधवार,22 अक्टूबर 2025

नगर संस्करण
वर्ष: 02,अंक:148

RNI No. : JHAHIN - 01092

rashtrasamvad.com

मूल्य : दो रुपए

सुविचार

ज्ञान आपके दिमाग का खोराक है । इसीलिए आपका कर्तव्य है कि आप अपने दिमाग को अच्छे से अच्छा ज्ञान हररोज देते रहे ।

बिहार में पहली बार इंडिया-एनडीए का सीएम फेस नहीं,महागठबंधन में खींचतान

243 सीटों पर 254 प्रत्याशी उतारे, 12 जगह एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे

पटना,एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी फेज के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया सोमवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज के चुनाव के लिए कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं।

300 से अधिक प्रत्याशियों के पर्चे खारिज हो गए। 61 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए। 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर 6 नवंबर और दूसरे फेज की 122 सीटों के लिए 11 नवंबर को मतदान होना है। दूसरे फेज के प्रत्याशियों की स्थिति 23 अक्टूबर तक साफ होगी।

INDIA गठबंधन में खींचतान, RJD ने आखिरी दिन लिस्ट जारी की : दूसरे फेज के आखिरी दिन तक INDIA गठबंधन में फूट, टिकट बंटवारे पर नाराजगी और अंदरूनी बगावत दिखी। RJD ने तो नॉमिनेशन का समय खत्म होने से 7 घंटे पहले, पहली बार 143 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। इससे पहले उसके प्रत्याशी नॉमिनेशन भरते

बिहार में ओवैसी का बड़ा एलान, चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी के साथ किया गठबंधन

हैदराबाद,एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी ने रविवार को बिहार और तेलंगाना की राजनीति पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार में चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी, जबकि तेलंगाना के जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव को समर्थन देगी। औवेसी ने साफ कहा कि एआईएमआईएम का कोई प्रत्याशी जुबली हिल्स से चुनाव नहीं लड़ेगा। औवेसी ने बताया कि एआईएमआईएम ने पहले ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सीपीआई(एमएल) और सीपीआई नेताओं को गठबंधन का प्रस्ताव भेजा था। पार्टी ने तेजस्वी यादव को छह सीटें देने का अनुरोध किया था, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब किसी ने सहयोग नहीं किया, तो हमने खुद चुनाव लड़ने का फैसला किया। अब हम चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरेंगे।

प्रत्याशी की नाम वापसी पर बिफरे प्रशांत किशोर; धर्मेंद्र प्रधान पर लगाया आरोप, तस्वीरें दिखाईं

पटना,एजेंसी। प्रशांत किशोर के निशाने पर अब भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के नेता हैं। प्रशांत किशोर ने जन सुराज पार्टी के एक प्रत्याशी को बरगलाने, धमकाने, समझाने और दबाव देकर नामांकन वापस कराने का आरोप लगाया है। इस मुलाकात की तस्वीरें भी पीके ने जारी की है। प्रशांत किशोर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत भाजपा नेताओं पर पार्टी के प्रत्याशियों को धमका कर और दबाव डालकर नामांकन वापस कराने का बड़ा आरोप लगाया है। आज सोमवार को शेखपुरा हाउस में प्रेस कांफ्रेंस कर उन्होंने दानापुर, गोपालगंज और ब्रह्मपुर से जन सुराज प्रत्याशियों के नामांकन वापसी कराने को भाजपा का डर बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की छवि बनी है कि कोई भी जीते, सरकार यही बनायेंगे। जन सुराज को अभी तक वोटकटवा पार्टी बोलने वाले भाजपा को अब सबसे ज्यादा डर जन सुराज से ही लग रहा है। पहला केस दानापुर का है। यहां महागठबंधन से बाहुबली अपराधी नेता जेल से चुनाव लड़ते हैं। जनता ने इन बाहुबलियों से डर कर तय किया कि इस बार वहीं के व्यवसायी अखिलेश उर्फ़ मुकुल शाह को जन सुराज से टिकट दिलाया जाए। उन्होंने मनोज भारती जी के हाथ से सिंबल लिया लेकिन नामांकन करने नहीं पहुंचे। भाजपा वाले बताते रहे कि राजद के गुंडों ने उन्हें बंधक बना लिया है।

राजद-कांग्रेस से धोखा मिलने पर झामुमो का पलटवार

झारखंड में सत्ता समीकरण बदलने के संकेत, सियासी तापमान बढ़ा

● बिहार में सीट न मिलने से झामुमो का गुस्सा उफान पर, सुदिव्य सोनू ने दी चेतावनी , धोखा महंगा पड़ेगा ● राजनीतिक जानकार बोले - हेमंत अब पॉलिटिकल रिवेंज के मूड में

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को राजद और कांग्रेस की ओर से एक भी सीट नहीं दी गई। इस उपेक्षा ने झामुमो को भीतर तक झकझोर दिया है। पार्टी ने न सिर्फ बिहार में महागठबंधन से अलग होने की घोषणा की है, बल्कि राजनीतिक धोखे का बदला लेने की खुली चेतावनी भी दे दी है।

अब झारखंड की राजनीति में इस फैसले के दूरगामी असर की चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि झामुमो की यह नाराजगी सत्ता संतुलन में बदलाव का इशारा दे रही है।

बिहार में धोखा, झारखंड में असर : झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने 18 अक्टूबर को घोषणा की थी कि पार्टी बिहार

की छह सीटों – चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती – पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी की थी।

लेकिन दीपावली के दिन 20 अक्टूबर को नामांकन की अवधि समाप्त होने तक झामुमो ने प्रत्याशियों के नाम घोषित नहीं किए। स्थिति उलझी रही और फिर गिरिडीह में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ कहा –

राजद और कांग्रेस ने हमें धोखा दिया है। अंतिम क्षण तक पार्टी को अंधेरे में रखा गया। अब यह धोखा महंगा पड़ेगा।

उन्होंने 2019 की याद दिलाई जब झामुमो ने सिर्फ एक विधायक वाले राजद को भी मंत्री पद दिया था – ह्महमने उपकार किया, उन्होंने अपमान किया।

राजद प्रत्याशी की गिरफ्तारी ने बढ़ाई खटास- सासाराम से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साहु की गिरफ्तारी ने भी महागठबंधन की तकरार को और गहरा दिया है।

डकैती के 21 साल पुराने मामले में गढ़वा पुलिस ने उन्हें नामांकन के तुरंत बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अदालत से जारी लाल वारंट के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सत्येंद्र साह पर सत्येंद्र साह पर गढ़वा के चिरौंजिया मोड़ स्थित बैंक में डकैती का आरोप है। इस मामले में उनके खिलाफ 2018 में स्थायी वारंट (लाल वारंट) जारी हुआ था। रोहतास के एसडीपीओ टू कुमार वैभव ने बताया, ह्ननामांकन के बाद सत्येंद्र साह को गिरफ्तार किया गया और गढ़वा भेजा गया।ह्व पुलिस रिकॉर्ड में उनके खिलाफ लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट और धमकी जैसे 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का राजद नेताओं को धूर्त कहना आपत्तिजनक : राजद

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की ओर से पार्टी नेताओं को धूर्त कहने पर आपत्ति जताई है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने मंगलवार को इस बाबत तीखी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की। झारखंड के मंत्री सुदिव्यत कुमार सोनू की ओर से राजद नेताओं को लेकर धूर्त शब्द का प्रयोग करने पर कैलाश यादव ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह ब्यान काफी पीड़ादायक है। बिहार विधानसभा चुनाव में राजद सबसे ताकतवर और बड़ी पार्टी है। इंडी गठबंधन के नेता भी तेजस्वी यादव हैं। साथ ही बिहार में मुख्य मुकाबला राजद गठबंधन और राजग के बीच है। कैलाश यादव ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजद के दिल में हैं, लेकिन इसे लेकर मंत्री की ओर से राजद नेताओं को अपशब्द बोलना अत्यंत निंदनीय है। यादव ने झामुमो का सीट शेयरिंग में जगह नहीं मिलने को अफसोसजनक बताया और कहा कि बिहार में परिवर्तन होना सुनिश्चित है। इस बार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद गठबंधन की सरकार बनना लगभग तय है। कैलाश यादव ने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू यादव देश के सबसे बड़े सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्ष नेता हैं। राजद बिहार में किसी भी हाल में भाजपा को सत्ता में आने से रोकना चाहती है।

उपचुनाव में 17 अभ्यर्थियों ने किया नामांकन, भाजपा, झामुमो सहित कई दलों के प्रत्याशी मैदान में

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी दिन-ब-दिन बढती जा रही है। उपचुनाव में मंगलवार को नामांकन की तिथि समाप्?त हो गई। इस दौरान अब तक कुल 17 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इनमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के उम्मीदवारों के साथ-साथ कई निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनावी मैदान में उतरे हैं।

नामांकन पत्र दाखिल करने वालों में प्रमुख दलों से भाजपा की ओर से बाबूलाल सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से सोमेश चंद्र सोरेन शामिल हैं। इसके अलावा पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) ने पार्वती हांसदा को मैदान में उतारा है, जबकि भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) से पंचानन सोरेन और आपकी विकास पार्टी से दुखीराम मार्डी चुनाव लड़ रहे हैं।

इन दलों के अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी किस?मत आजमा रहे हैं। इनमें परमेश्वर टुडू, श्रीलाल किस्कू, मनसा राम हांसदा, नारायण सिंह, विकास हेम्ब्रम, मालती टुडू, बसंत कुमार तोपनो, मनोज कुमार सिंह, विक्रम किस्कु, और रामकृष्ण कांति माहली के नाम शामिल हैं। वहीं जेएलकेएम (झारखंड लोक कल?यण मोर्चा) से रामदास मुर्मू और राष्ट्रीय सनातन पार्टी से मंगल मुर्मू ने नामांकन किया है।

उल्लेखनीय है कि घाटशिला विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति (अजजा) वर्ग के लिए आरक्षित है। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच निर्धारित तिथि पर की जाएगी और नाम वापसी की अंतिम तिथि के बाद ही प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होगी।

घाटशिला में बदलाव की लहर

जेएलकेएम प्रत्याशी रामदास मुर्मू ने किया नामांकन, उमड़ा जनसैलाब

जनता ने दिखाया जोश, कहा – इस बार झारखंड बोलेगा, परिवारवाद नहीं चलेगा

राष्ट्र संवाद संवाददाता ,घाटशिला। घाटशिला उपचुनाव में झारखंड लोक कल्याण मंच (जेएलकेएम) के प्रत्याशी रामदास मुर्मू ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन जुलूस में उमड़ी भारी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि घाटशिला में इस बार बदलाव की लहर चल पड़ी है। सड़कों पर लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा – युवा, महिलाएं, किसान और मजदूरों का उत्साह देखते ही बनता था।

नवी मुंबई में रहवासी बिल्डिंग में आग, 4 की मौत

मुंबई,एजेंसी। नवी मुंबई की एक रहवासी बिल्डिंग में सोमवार रात को आग लगने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 साल की बच्ची शामिल है। 10 से ज्यादा लोग झुलस गए हैं। अब तक आग लगने की वजह सामने नहीं आई है। रेस्क्यू टीम ने 15 लोगों के सुरक्षित बाहर निकाला। आग वाशी के सेक्टर 14 में रहेजा रेजिडेंसी बिल्डिंग की 10वीं मंजिल के एक फ्लैट से शुरू हुई और तेजी से 11वीं और 12वीं मंजिल तक फैल गई। नवी मुंबई महानगरपालिका के फायर विभाग के बताया की जानकारी मिलते ही वाशी, नेरुल, ऐरोली और कोपरखैराने से कई फायर इंजन मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड टीमों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कई घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया।

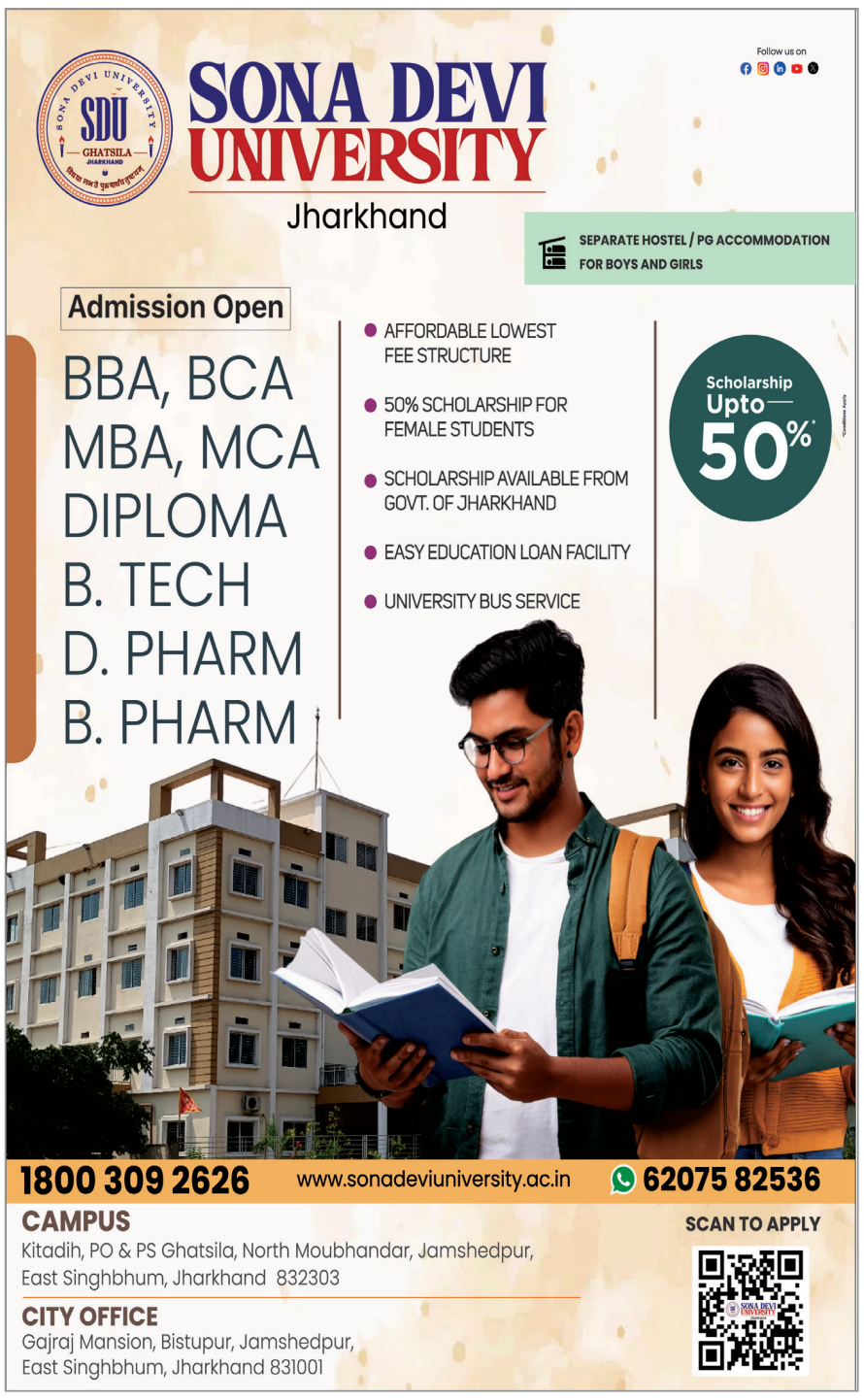

तेघड़ा -बछवारा में चुनावी गर्मी चरम बढ़ी : प्रत्याशियों को मिला चुनाव चिह्न

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बेगूसराय : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की औपचारिक तैयारियाँ पूरी हो गई है। नामांकन वापसी की आखिरी तिथि बीतने के बाद तेघड़ा और बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। दोनों ही विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी अब मैदान में उत्तर चुके हें ।और अब चुनाव प्रचार की गहमागहमी तेज हो गई है।

बछवाड़ा में कुल आठ प्रत्याशी मैदान में

निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसीएलआर मंकेश्वर कुमार ने 142 विधानसभा बछवाड़ा

विधानसभा क्षेत्र के आठ प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए हैं। यहाँ तीन राष्ट्रीय दलों, दो राज्य स्तरीय दलों और तीन निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा।

मुख्य प्रत्याशी और उनके चुनाव चिन्ह

1. अविनाश कुमार (आप) - झाड़ू
2. शिव प्रकाश गरीब दास (कांग्रेस) हाथ
3. सुरेन्द्र मेहता (भाजपा) कमल फूल 4. अवधेश कुमार राय (भाकपा) हसुआ बाली
5. रमोद कुमार (जनसुराज) स्कूल का बस्ता
6. राजा राप सिंह (निर्दलीय)- एयर कंडीशन
7. विपिन कुमार ,निर्दलीय अलमीरा
8. शत्रुघन कुमार निर्दलीय गैस सिलेंडर

तेघड़ा में 13 प्रत्याशी, एनडीए बागी उम्मीदवार ने किया समर्थन

143 तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र में कुल 13 प्रत्याशी मैदान में हैं। निर्वाचि पदाधिकारी सह एसडीएम राकेश कुमार ने सभी को चुनाव चिन्ह आटित कर दी है। मुख्य प्रत्याशियों में
1. मोहम्मद शकील बहुजन समाज पार्टी, हाथी
2. रजनीश कुमार ,भारतीय जनता पार्टी कमल
3. अवधेश कुमार जनता क्रांति पार्टी राष्ट्रवाद, बेबी वॉकर
4. अविनाश भारती समता पार्टी, चिमनी
5. चंद्र प्रकाश सिंह जनशक्ति जनतादल, ब्लैक बोर्ड
6. रामनंदन सिंह जन सुराज राज, स्कूल बैग
7. राम रतन सिंह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी,बाली और हसिया
8. केदारनाथ भास्कर शोषित समाज दल,चूड़ियां
9. बसंत कुमार निर्दलीय ,मोतियों का हार
10. मृणाल कुमार निर्दलीय,कैरम बोर्ड
11. रामकुमार निर्दलीय,फलों युक्त टोकरी
12. राम पुकार ठाकुर निर्दलीय, ट्रक, 13. सुधा भारती निर्दलीय ,बेल्ट

इसी बीच एनडीए के बागी और पूर्व विधायक ललन कुवर ने नामांकन वापस लेकर भाजपा के समर्थन की घोषणा की।

तेघड़ा विधानसभा में तैयार 339 मतदान केंद्र : तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,01,659 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1,58,799 पुरुष, 1,42,852 महिलाएं और 8 जेंटर मतदाता हैं।

दीपावली में जगमग हुआ लोहरदगा, आसमान में चमकी रोशनी, जमकर हुई आतिशबाजी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

लोहरदगा। दीपों का पर्व दीपावली पूरे हर्षोल्लास के साथ जिले में मनाया गया। शहर से लेकर गांवों तक दीपों की रोशनी और खुशियों की चमक बिखरी रही। घर-घर में दीपक, मोमबत्ती और रंगीन झालरों से सजे घरों ने पूरे जिले को रोशन कर दिया। शाम ढलते ही गलियां, चौक-चौराहे और मंदिर दीपों की कतारों से झिलमिला उठे।

लोगों ने परंपरा के अनुसार मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद मिठाइयों के साथ एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। बच्चों और युवाओं में आतिशबाजी को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। रंग-बिरंगे पटाखों की चमक से रात का आसमान निखर उठा।

शहर के अपर बाजार, एमजी रोड, सुभाष चौक, कचहरी रोड, न्यू रोड और बड़ा तालाब क्षेत्र में दीपों की रोशनी और सजावट देखते ही बन रही थी। दीपावली के मौके पर बाजारों में दिनभर खरीदारी को लेकर रौनक बनी रही।

उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ह्रदीपों का यह पर्व हमारे जीवन से अंधकार मिटाकर ज्ञान, प्रेम और समृद्धि का प्रकाश फैलाए। आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ यह त्योहार मनाएं। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने लोगों से सुरक्षित तरीके से पटाखे जलाने और पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि दीपावली को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी दीपावली का उल्लास देखने लायक रहा। सेन्हा, भंडरा, कुडू, किस्को, पेशरार और कैरो जैसे प्रखंडों के गांवों में लोगों ने पारंपरिक ढंग से दीपावली मनाई। मिट्टी के दीयों की जगमगाहट से गांवों की चौपालें और मंदिर आंगन रोशन हो उठे। बच्चों ने पटाखे फोड़कर और रंगोली बनाकर त्योहार का आनंद लिया। देर रात तक लोहरदगा शहर और गांवों की गलियां दीपों की रोशनी से जगमगाती रहीं। पूरा जिला प्रेम, भाईचारे और उल्लास से ओतप्रोत नजर आया।

पुलिस स्मृति दिवस पर डीआई जी रमेश कुमार व रेणु सिंह की अगुवाई में लगा 1960 पौधे, चिल्ड्रेन पार्क का हुआ उद्घाटन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा : पुलिस स्मृति दिवस पर डीआई जी रमेश कुमार व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेणु सिंह की अगुवाई में एक ही दिन में 1960 पौधे लगाए गए व बच्चों को चिल्ड्रेन पार्क का सौगात दी गई। इधर इस मौके पर रिजर्व पुलिस बल ग्रुप सेंटर , राखाकॉपर कैंप के प्रांगण में मंगलवार को समारोह आयोजित की गई जहां रमेश कुमार डीआईजी , ग्रुप केंद्र जमशेदपुर के कुशल मार्गदर्शन में परिवार आवास परिसर मे नवनिर्मित चिल्ड्रन पार्क का उद्घाटन किया गया व पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए एक ही दिन 1960 पौधे लगाए गए।पार्क में विभिन्न प्रकार के नए झूले तथा अन्य उपकरण बच्चों के खेल तथा मनोरंजन हेतु लगाए गए।

इस अवसर पर क्षेत्रीय कावा प्रमुख ने महिलाओं तथा बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के जीवन में खेलकूद का अत्यधिक महत्व है। खेलकूद से उनका शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास होता है, जिससे उनकी मांसपेशियों की ताकत, समन्वय और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होता है । खेल उन्हें अपनी भावनाओं को समझने, आत्मविश्वास बढ़ाने और दूसरों के साथ संवाद करने में मदद करते हैं। खेल बच्चों में तनाव और चिंता कम करने में मदद करता है और सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाता है।इस दौरान क्षेत्रीय कावा के तत्वावधान में सामूहिक सफाई अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य कैंप में स्वच्छता को बनाए रखना , परिसर में रह रहे महिलाओं तथा बच्चों में सफाई के प्रति जागरूकता फैलाना है ताकि स्वच्छ व सुंदर कैंपस के निर्माण का सपना साकार हो सके।

इसके पूर्व कैंप को हरा- भरा बनाए रखने के देशव्यापी अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें अधिकारियों, कार्मिकों तथा परिवार की महिलाओं द्वारा 1960 पौधे लगाए गए। कार्यक्रमों का सफल आयोजन में

पुलिस उपमहानिरीक्षक सीआरपीएफ श्री रमेश कुमार, ग्रुप केंद्र, जमशेदपुर के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, इस दौरान पवन कुमार उप कमांडेंट, जफर आलम, मकसूद आलम तथा तरुण बेरा सहायक कमांडेंट सहित सहित अन्य कार्मिक तथा क्षेत्रीय कावा परिवार की महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

काण्ड्रा रेल परिसर में माँ काली की भव्य पूजा सम्पन्न, शांति पूर्वक हुआ प्रतिमा विसर्जन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

काण्ड्रा रेल परिसर स्थित काली मंडप में माँ काली की भव्य सज्जा के साथ इस वर्ष की पूजा धूमधाम से सम्पन्न हुई। आज शाम श्रद्धालुओं ने शांति एवं श्रद्धा के साथ माँ काली की प्रतिमा का विसर्जन किया।

काण्ड्रा में यह पूजा सबसे पौराणिक मानी जाती है। स्थानीय श्रद्धालु माँ काली की प्रतिमा को ह्रजागृत माताह्व मानते हैं। बताया जाता है कि काण्ड्रा रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के अधीन इस पूरे रेल क्षेत्र में अब तक कोई बड़ी या मामूली दुर्घटना नहीं घटी है। यही विश्वास रेल कर्मियों में माँ काली के प्रति अटूट श्रद्धा का कारण बना हुआ है।

काण्ड्रा 32 जीसी गेंग के रेल कर्मी हर वर्ष माँ से रेल पटरी की सुरक्षा और कार्यस्थल की मंगलकामना के लिए विशेष आशीर्वाद मांगते हैं। इस गैंग के अलावा इंजीनियरिंग विभाग के सेवानिवृत्त कर्मी भीमसेन महतो प्रतिवर्ष माँ को पाठा बलि अर्पित करते आए हैं।

यहां की एक विशेष परंपरा यह भी है कि पूजा के लिए किसी प्रकार का चंदा नहीं मांगा जाता। सभी रेल कर्मी स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग देते हैं। यहां तक कि जो रिटायर्ड कर्मी जो काण्ड्रा छोड़ चुके हैं, वे भी इस पूजा में उत्साहपूर्वक योगदान करते हैं।

इस वर्ष पूजा का विधिवत संचालन पूजारी श्यामा मुखर्जी द्वारा किया गया, जबकि सीनियर सेक्शन इंजीनियर पृथ्वीनाथ यादव यजमान के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन में बी.के. पंडा, राजकुमार, प्रवीण कुमार, पंचानन शापुकार, नीरज कुमार सिंह, रोहिनो और बुद्धेश्वर महतो सहित कई रेल कर्मियों ने विशेष सहयोग दिया।

माँ काली की जयघोष और श्रद्धा से ओतप्रोत इस वार्षिक पूजा ने एक बार फिर काण्ड्रा रेल परिसर को धार्मिक आस्था और कर्मनिष्ठा के अद्भुत संगम में परिवर्तित कर दिया।

लोहरदगा रांची रूट में एक अतिरिक्त मेमो ट्रेन चलाने की मांग को लेकर सांसद से मिले लोग

राष्ट्र संवाद संवाददाता

कैरो। कैरो प्रखण्ड के सासंद प्रतिनिधि समीद अंसारी,वरिष्ठ कांग्रेसी राम उरांव व किशोर भगत ने सांसद सुखदेव भगत से उनके आवास में मिलकर कैरो प्रखण्ड क्षेत्र के कैरो,सढ़ाबे,एडादोन आदि गांव के एक सौ से ज्यादा लोगों के हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपकर लोहरदगा से रांची तक आधा एक घन्टा अंतराल में एक और मेमो ट्रेन चलवाने की मांग की गई।लिखित आवेदन में कहा गया है कि लोहरदगा से रांची जाने के सुबह में 7 बजे एक मात्र मेमो ट्रेन होने से क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है

मेमो ट्रेन की सभी सीटे लोहरदगा में फूल हो जाती है नगजुआ आते आते भीड़ इतनी ज्यादा हो जाती है कि सीट मिलना तो दूर की बात है खड़े होने की भी जगह नही होती है ऐसे में आम लोगों से मजदूर,व्यवसायी,छात्र छात्राओं, मरीज,बूढ़े बुजुर्ग समेत महिलाओ बच्चों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कभी कभी तो बहुत सारे लोग छूट भी जाते हैं।मेमो ट्रेन मे वरिष्ठ नागरिकों व मरीजो के लिए अलग से बोगी की व्यवस्था होने से क्षेत्र के गरीब दलित आदिवासियों समेत सभी वर्ग के लोगों को राहत मिलती।इस पर सांसद ने गंभीरता दिखाते हुए जिला प्रतिनिधि साजिद अहमद चंगु को निर्देश देते हुए कहा कि इस मम्मले को लेकर भारत सरकार के रेल मंत्री को एक पत्र लिखकर वस्तु स्तिथि से अवगत कराते हुए अतिरिक्त ट्रेन चलाने व सासाराम रांची एक्सप्रेस ट्रेन की नगजुआ में ठहराव की मांग की जाय।जरूरत पड़ने पर स्वयं रेल मंत्री से मिलकर और संसद सत्र में बात उठाकर भी इस विषय पर चर्चा की जाएगी।लिखित आवेदन में जोरावर खान,तिला उरांव,बुधराम उरांव,बोलवा उरांव,शफीक अंसारी,मुस्लिम अंसारी,देवदत्त प्रजापति,सकील अंसारी,मंगरा उरांव,दीपक यादव,बहादुर गोप समेत क्षेत्र के दर्जनों लोगों का हस्ताक्षर है।

पुलिस के साथ हुई मारपीट मामले में दो अन्य गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

हिरणपुर :- अंगूठियां में पुलिस के साथ कि गई मारपीट मामले को लेकर बीते सोमवार की शाम पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक उपास्थापन में पाकुड़ भेज दिया गया। बीते रविवार को पत्थर लदे ट्रेक्टर व चालक से आरोपियों द्वारा पांच हजार की रंगदारी मांगा गया था। नही देने पर चालक को बंधक बना लिया गया था। जिसकी सूचना मिलने साथ चालक को छुड़ाने गांव पहुंचे पुलिस दल पर कुछ ग्रामीणों ने जानलेवा हमला कर दिया था। इसमे एएसआई दिलीप कुमार मण्डल व गोविंद कुमार साह को धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया

था। इसको लेकर पांच नामजद व 10 -15 अज्ञात लोगों के ऊपर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल आरोपी करमु राय व सियो राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी करमु राय की पत्नी जगनी देवी व सियो राय की पत्नी फूलों देवी को गिरफ्तार किया गया। वही आरोपी मनोज यादव फरार है। इस सम्बंध में थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जादूगोड़ा में मना पुलिस स्मृति दिवस:वीर शहीदों की याद में दी सशस्त्र सलामी, सीआरपीएफ ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि, स्मारक पर माल्यार्पण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा ग्रुप केंद्र, सीआरपीएफ, जादूगोड़ा जमशेदपुर मुख्यालय के प्रांगण में मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाया गया। यहां बताते चले कि आज ही के दिन 1959 में भारत-चीन सीमा पर हॉट स्प्रिंग , लद्दाख क्षेत्र में तैनात सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग करती टुकड़ी पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया। जिसका भारतीय टुकड़ी ने उप निरीक्षक करम सिंह के नेतृत्व में डटकर सामना किया। इस युद्ध में सीआरपीएफ के 10 बहादुर जवान शहीद हो गए थे। विश्व इतिहास में सीमाओं पर पुलिस बल का यह सर्वोच्च बलिदान था। जिसे सभी केंद्रीय एवं राज्य पुलिस बलों द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री रमेश कुमार , डीआईजी , ग्रुप केंद्र, जमशेदपुर के द्वारा शहीदों के नाम पढ़े गए , साथ ही सम्मान गार्ड द्वारा शहीदों को सलामी देते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया गया तथा कार्मिकों से देश की एकता व अखंडता के लिए संकल्पबद्ध होने का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर डीआईजी रमेश कुमार ने वीर नारी व परिजनो को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इस मौके पर पवन कुमार डिप्टी कमांडेंट , जफर आलम , मकसूद आलम था तरुण बेरा , सहायक कमांडेंट , सहित काफी संख्या में जवान उपस्थित रहे।

संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों की दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्र संवाद संवाददाता

देश और समाज की रक्षा के लिए जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता: एसपी

लोहरदगा। जिले के बकसीडीपा स्थित पुलिस लाइन में मंगलवार को शहीदों की याद में संस्मरण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके बलिदान को नमन किया गया। इस मौके पर पुलिस अधिकारियों, जवानों एवं शहीदों के परिजनों ने मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को याद किया। स्मरण दिवस के दौरान माहौल भावुक हो गया जब शहीद जवानों के परिजन अपने प्रियजनों की याद में रो पड़े। कई परिजनों की आंखें नम थीं, जिन्हें देखकर मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि देश और समाज की रक्षा के लिए जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके परिवारों को गर्व होना चाहिए कि उनके पुत्रों ने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए।

मौके पर एसडीपीओ, डीएसपी, पुलिस अधिकारी, जवान और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के अंत में परिजनों को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और प्रशासन की ओर से उन्हें सांत्वना दी गई। शहीद स्मरण दिवस का यह आयोजन वीरता, त्याग और समर्पण की याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा में बलिदान देने वाले जवान हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे।

यूसिल कॉलोनी ए टाइप में मां काली की भव्य रूप में हुई पूजा , 12 फीट की मा काली की मूर्ति बनी आकर्षण का केंद्र,आज निकाली जाएगी विसर्जन जुलूस

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा : सोमवार को कार्तिक अमावस्या के अवसर पर यूसिल कॉलोनी ए टाइप मां काली कमिटी के संरक्षक टिक्की मुखी के अगुवाई में भव्य रूप में मां काली की पूजा गई। यहां 12 फीट की मां काली की मूर्ति भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।इधर कल यानी बुधवार को मूर्ति विसर्जन जुलूस के साथ जादूगोड़ा में काली पूजा का समापन हो जाएगा। दीपावली के मौके पर आयोजित काली पूजा में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रात भर मां काली की पूजा के बाद आज अहले सुबह मंगलवार को जादूगोड़ा शिव मंदिर गुरा नदी में गाजे बाजे के साथ घट विसर्जन की गई । इसके पूर्व भक्तों के बीच खीर व खिचड़ी का अलग अलग भोग का वितरण किया गया। इस दौरान मां काली के दर्शन के लिए भक्तों का भारी भीड़ पूजा पंडालों में उमड़ी।कल बुधवार को मूर्ति विसर्जन के साथ जादूगोड़ा काली पूजा का समापन हो जाएगा। यहां

बताते चले कि कमिटी के संरक्षक टिक्की मुखी की अगुवाई में 1985 से यहां काली पूजा भव्य रूप से होते आ रही है। भक्तों में ऐसा विश्वास है कि यहां मां काली भक्तों की मनोकामना सुनती है व मांगी गई मन्नते पूरी होती है। जिसको लेकर मां काली का दर्शन की लेकर हर साल भारी भीड़ उमड़ती है व यहां मां काली को बलि देने की परम्परा वर्षों से कायम है।कार्यक्रम को सफल बनाने में कमिटी की ओर से कमिटी के संरक्षक टिक्की मुखी, अशोक सिंह, राकेश शर्मा, राजू मुखी, बिट्टू महतो, सुखलाल सोरेन,विक्रम सिंह,हब्लू भक्त, महावीर भक्त,विकास मुखी दिन रात जुटे है।

सार-संक्षेप

कैरो में धूमधाम के साथ दीपावली का पर्व मनाया गया

कैरो। प्रखंड मुख्यालय सहित पूरे क्षेत्र में दीपों का त्योहार दीपावली धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। घरों में रंगोलियां बनाने से लेकर घर व प्रतिष्ठानों में गणेश-लक्ष्मी की बिधिवत पूजा अर्चना कर भगवान से सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भक्तों ने प्रसाद व मिठाइयों का वितरण किया। वहीं शाम से रात भर पटाखा, अनार व रॉकेट से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा वहीं दिया व लाइटिंग जलाकर घर दुकान व मंदिरों को सजाया गया। साथ ही जगह जगह में ताश खेलकर भी लोगों ने मनोरंजन किया। वहीं मंगलवार को गोबर्धन पूजा व दशा-मसा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तहत मवेशियों को नहला-धुला कर साफाई किया गया व फूल माला व रंगीन किया गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने परंपरा के अनुसार घर घर जाकर दाल, चावल, सब्जी, नमक, हल्दी इत्यादि मांगने के लिए ढोल नगड़ा के साथ नाचते गाते घर घर से जमा किया व एक सार्वजनिक स्थल पर उसका खिचड़ी बनाया गया। जहां गांव के प्रत्येक परिवार के लोग उपस्थित होकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। माना जाता है कि इस खाना के खाने से रोग बीमारी नही होती है।

निगनी में भव्य काली पूजा का हुआ आयोजन,अतिथि के रूप में शामिल हुए पुलिस कप्तान

लोहरदगा। सदर प्रखंड के निंगनी गांव सहित कई जगोबपर भव्य काली पूजा का आयोजन किया गया। निंगनी में आयोजित भव्य काली पूजा में जिले के पुलिस कप्तान के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मौके पर पुलिस कप्तान सादिक अनवर रिजवी ने पूरे श्रद्धा और विश्वास के साथ मां काली की पूजा-अर्चना की और जिला वासियों की खुशहाली, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा पंडाल में दीपों की रोशनी और भक्ति गीतों की धुनों के बीच श्रद्धालुओं की भीड़ देर रात तक बनी रही। मौके पर एसपी सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि मां काली केवल शक्ति की प्रतीक नहीं, बल्कि साहस और न्याय की भी प्रेरणा हैं। इस पर्व के माध्यम से हमें समाज में शांति, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित भक्तों और श्रद्धालुओं से अपील की कि धार्मिक पर्वों को आपसी प्रेम और सौहार्द का माध्यम बनाएं। समाजसेवी और मां काली पूजा समिति के आजीवन संरक्षक डॉ. टी. साहू ने इस सफल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों को बधाई दी।उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक उत्सव न केवल आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम भी करते हैं। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। महिलाएं, बच्चे और वृद्ध सभी ने उत्साह पूर्वक मां काली की आराधना की। भक्तों ने दीप प्रज्वलित कर मां से प्रदेश में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

चोकाद गांव के एक 15 वर्षीय नाबालिक को भेजा गया बाल सुधार गृह

रामगढ़: गोला प्रखंड क्षेत्र के एक नाबालिका ने गोला थाना क्षेत्र के चोकाद गांव के एक 15 वर्षीय नाबालिक लड़का रविन्द्र कुमार महतो, पिता राजेंद्र महतो के उपर ब्लैकमेलिंग कर सोशल मीडिया में उसकी अश्लील फोटो-विडियो वायरल करने का आरोप लगाई है। इस संबंध में नाबालिका ने गोला थाना में नाबालिक लड़के के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर लिखित आवेदन दी थी। आवेदन पर कारवाई करते हुए गोला थाना कांड संख्या 115/25 दर्ज की गई। बीएनएस की धारा 74,77,67, 67, एवं पोक्सो एक्ट की धारा 12, 14, 15 लगाया गया है। मंगलवार को नाबालिक लड़के को गोला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया है।

बास्केटबॉल संघ के नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की नियुक्ति, प्रशिक्षण शिविर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की रूपरेखा तय

पाकुड़ :- जिला बास्केटबॉल संघ की एक महत्वपूर्ण कार्यकारी बैठक बीते रविवार, को पियादापुर स्थित सेंट जोसेफ स्कूल के प्रशासकीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेव. फादर कॉर्नीलियस हेंबरोम ने की। एक घंटे की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। रेव. फादर कैरिल सोरेन को संघ का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने साहेबगंज जिले में स्थानांतरित किए गए पूर्व अध्यक्ष का स्थान ग्रहण किया। वहीं, कार्तिक कुमार को संघ का उपाध्यक्ष बनाया गया।संघ ने जिले के शैक्षणिक संस्थानों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भर्ती अभियान चलाने का निर्णय लिया, ताकि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी पुरुष एवं महिला बास्केटबॉल टीमें तैयार की जा सकें। इस क्रम में नवंबर 2025 में झारखंड बास्केटबॉल संघ के प्राधिकृत कोचों के सहयोग से एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।बैठक में यह भी तय किया गया कि संघ अगले 3 से 4 महीनों के भीतर वार्षिक राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन करेगा, जो संघ के उपनियमों के अनुसार अनिवार्य है।

आवश्यकता है

राष्ट्र संवाद मासिक, वेब पोर्टल, साप्ताहिक और दैनिक अखबार के लिए झारखंड-बिहार में हर जिले के लिए पत्रकार की जरूरत है। इसके अलावा पत्रकारिता का शौक रखने वाले चाहे वह अन्य किसी भी राज्य से हो, संपर्क या ईमेल कर सकते हैं।

:: संपर्क ::
9431977839
9102339999

ईमेल : rashtrasamvadgroud@gmail.com

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने परिवार संग की दीपावली पूजा, शहरवासियों को दी शुभकामनाएं

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरः पूरे जमशेदपुर में दीपावली की धूम देखने लायक है। इसी बीच झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने एग्रीको स्थित आवास पर परिवार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनकी पत्नी रुक्मणि देवी, पुत्रवधू एवं जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू, तथा पुत्र ललित दास भी पूजा में शामिल हुए। पूजा के बाद पूरे परिवार ने घर के बाहर फुलझड़ी और अनार जलाकर दीपोत्सव मनाया।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि दीपावली का पर्व भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की खुशी में मनाया जाता है। तब से यह त्योहार पूरे देश में उल्लास और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने शहरवासियों सहित पूरे राज्य की जनता को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

वहीं, विधायक पूर्णिमा दास साहू ने भी दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि यह त्योहार लोगों के जीवन में नई रोशनी और सकारात्मकता लेकर आता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के रावण वध कर 14 वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली का पर्व मनाया गया था, और तब से यह पर्व हर वर्ष पूरे भारत में श्रद्धा और हर्ष के साथ मनाया जाता है।

छठ महापर्व को लेकर सीकेपी डिवीजन में हाई अलर्ट

राष्ट्र संवाद संवाददाता

छठ महापर्व को लेकर चक्रधरपुर रेल मंडल ने सुरक्षा और भीड़-व्यवस्था को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है. मंडल के तीन प्रमुख स्टेशन टाटानगर, राउरकेला और झारसुगुड़ा पर विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि पर्व के दौरान यात्रियों की आवाजाही सुचारू बनी रहे. मंडल प्रशासन के अनुसार स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त प्रतीक्षालय, शौचालय और मेडिकल सुविधा की व्यवस्था की गई है. स्टेशन परिसर में प्रवेश केवल जांच के बाद ही संभव होगा. सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है. बिना टिकट यात्रियों और गैर- जरूरी भीड़ के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है. चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया ने बताया कि मंडल मुख्यालय में एक वार रूम बनाया गया है, जहां से तीनों स्टेशनों की गतिविधियों की चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है. डीआरएम ने कहा कि छठ पर्व के दौरान रेलवे की प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना है. उन्होंने अपील की कि यात्री यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें और प्रशासन को सहयोग दें ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके.

तोमर सत्येन्द्र के छठ भजन का म्यूजिक लांच सरयू राय द्वारा हुआ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

तोमर सत्येन्द्र सिंह द्वारा लिखा हुआ छठ भजन ह्यकुशल राखब छठी मैयाह्ल का संगीत विमोचन जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय द्वारा किया गया. विमोचन समारोह में झारखंड प्रदेश व्यावसायिक प्रकोष्ठ के संयोजक नीरज सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता नित्यानंद सिन्हा, वीडियो निर्देशक उदय साहू, अभिनेत्री नीला सेनगुप्ता आदि शुभकामनाएं प्रदान करने के लिए उपस्थित थे.

छठ मैया की भक्ति से ओतप्रोत उक्त भजन को मुंबई की सुविख्यात गायिका सौम्या वर्मा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है एवं संगीतबद्ध किया है सोनू सिंह ने. भजन के वीडियो में मुख्य भूमिका अभिनेत्री नीला सेनगुप्ता ने निभाई है एवं छठ मैया की उपासिका के किरदार को जीवंत कर दिया है.

यह भजन सुनील सिंह के संयोजन में टीम फिल्म्स के चैनल पर रिलीज किया गया है.

तोमर सत्येन्द्र सिंह ने इस भजन में सीधे एवं सरल शब्दों के द्वारा छठी मैया से प्रार्थना एवं याचना की है एवं इनका मानना है कि भक्ति भाव से ओत प्रोत यह भजन भक्तों के तन-मन में श्रद्धा का संचार कर देगा।

गोला बस्ती के स्क्रैप टाल में भीषण आग, पांच लाख से अधिक का नुकसान

राष्ट्र संवाद संवाददाता

दमकल की तत्परता से टली बड़ी दुर्घटना, विधायक प्रतिनिधि नीरज सिंह पहुंचे मौके पर

जमशेदपुर। सोनारी थाना क्षेत्र के गोला बस्ती स्थित एक स्क्रैप टाल में देर रात भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची छह दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आशंका जताई जा रही है कि आग पटाखे की चिंगारी से लगी। स्क्रैप टाल में आग लगने से पांच लाख रुपये से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। गनीमत रही कि समय रहते दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंच गईं, अन्यथा पास की घनी बस्ती तक आग फैल सकती थी।

घटना की जानकारी मिलते ही पश्चिम विधानसभा के विधायक सरयू राय के प्रतिनिधि नीरज सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्थानीय कार्यकताओं से सूचना मिलने के बाद विधायक सरयू राय को अवगत कराया गया और तत्परता से दमकल विभाग को मौके पर भेजा गया।

स्क्रैप टाल के मालिक सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि ह्लरात करीब 1:30 बजे हम लोग पूजा करके घर लौटे थे। कुछ देर बाद स्थानीय लोगों ने फोन कर सूचना दी कि टाल में आग लग गई है। आग से पांच लाख से अधिक का नुकसान हुआ है ह्व

दमकल विभाग ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया है और घटनास्थल की जांच जारी है।

एक्सएलआरआइ जमशेदपुर और एस्टर डीएम हेल्थकेयर दुबई के बीच एमओयू, शिक्षा-उद्योग सहयोग को मिलेगा नया आयाम

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआइ) जमशेदपुर और दुबई की एस्टर डीएम हेल्थकेयर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। एक्सएलआरआइ की ओर से डायरेक्टर डॉ. (फा.) सेबेस्टियन जॉर्ज, एस.जे. और एस्टर डीएम हेल्थकेयर की ओर से ग्रुप चीफ एचआर ऑफिसर जैकब ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस मौके पर आयोजित लीडरशिप टॉक में जैकब ने कहा कि ह्लव्यवसाय केवल नीतियों से नहीं, बल्कि लोगों के जुनून और तकनीक के सही उपयोग से आगे बढ़ते हैं।ह्व उन्होंने तकनीक और मानव संसाधन के संतुलन को व्यवसायिक सफलता की कुंजी बताया।

एक्सएलआरआइ डायरेक्टर डॉ. सेबेस्टियन जॉर्ज ने कहा कि यह साझेदारी शिक्षा और उद्योग के बीच ज्ञान व नवाचार का सेतु बनेगी। प्रो. कनकराज अय्यालुस्वामी ने बताया कि इस सहयोग से छात्रों को उद्योग से जुड़ने और नेतृत्व कौशल विकसित करने के अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में एस्टर डीएम हेल्थकेयर की टीम और एक्सएलआरआइ के पीजीडीएम छात्रों ने तकनीक और मानव संसाधन के संतुलन से सतत विकास पर चर्चा की।

बागबेड़ा में दिव्यांग युवक के साथ बेरहमी से मारपीट, घटना CCTV में कैद

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरःबागबेड़ा में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जहां दोनों हाथों से दिव्यांग एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल में कैद हो गई है। बताया जा रहा है कि बागबेड़ा पुलिस मौके पर मौजूद थी और दिव्यांग युवक को बचाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन तीन लोगों ने लगातार उसकी पिटाई जारी रखी।

पीड़ित दिव्यांग युवक आशीष कुमार शर्मा और उनके भाई अमित शर्मा ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग उनके पूर्वजों की जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। इसको लेकर उन्हें पहले भी कई बार धमकी दी गई थी। पीड़ित पक्ष के अनुसार, मारपीट करने वालों में सुनील शर्मा, मुरली शर्मा समेत अन्य लोग शामिल हैं।आशीष और अमित शर्मा ने बागबेड़ा थाना में इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और मारपीट का वीडियो भी पुलिस को सौंपा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जांच के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी, लेकिन एक दिव्यांग युवक के साथ इस तरह की मारपीट ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

श्री श्री दक्षिणेश्वरी मां काली का भव्य श्रृंगार एवं पूजा संपन्न किया गया भोग का वितरण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। श्री श्री दक्षिणेश्वरी काली मंदिर, इस्ट प्लांट बस्ती में कार्तिक मास के अमवस्या के अवसर पर सोमवार को श्री श्री दक्षिणेश्वरी मां काली का भव्य श्रृंगार पूजा किया गया. वहीं इस अवसर पर कमिटी की ओर से श्रद्धालुओं के बीच भोग का वितरण किया गया. मौके पर मंदिर कमिटी के अध्यक्ष गलविंदर सिंह ग्वाले ने कहा कि प्रत्येक महीने के अमवस्या को मां काली की भव्य श्रृंगार एवं पूजा का आयोजन किया जाता है. पूजा तो प्रतिदिन मंदिर में होता है. लेकिन कार्तिक मास के अमवस्या पर मां काली की विशेष पूजा का हिंदुओं में बड़ा महत्व होता है. क्योंकि कार्तिक मास के अमवस्या को ही दीपावली मनाई जाती है. वहीं इस अमवस्या के छठे दिन लोक आस्था का महापर्व छठ का पहला अर्घ्य गिया जाता है. इसलिए इस अमवस्या का बड़ा महत्व होता है. उन्होंने कहा कि इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन मंदिर कमिटी द्वारा किया जाएगा. बांकुड़ा निवासी पूरोहित शिव शंकर चौधरी ने अमवस्या की विशेष पूजा संपन्न कराया.कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रुप से उमाशंकर बेरा,सुजीत राउत,हरिशचंद्र प्रसाद,अरुण प्रसाद, दुगार्नंद दुबे, राजीव कुमार झा, कमलेश राय,राजेश पाठक,संतोष सिंह, रंजीत, ,अजीत सहित समिति के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

जमशेदपुर में उप नगर आयुक्त की अध्यक्षता में समन्वय बैठक, नागरिक सुविधाओं को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के उप नगर आयुक्त की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री आर. के. सिंह, महाप्रबंधक, टाटा यूआईएसएल, श्री अमित कुमार, हेड - लैंड एंड मार्केट, टाटा स्टील, तथा विशेष पदाधिकारी, सिटी मैनेजर एवं सहायक अभियंता, जेएनएसी उपस्थित रहे।

बैठक में शहर की विभिन्न नागरिक सुविधाओं और आधारभूत संरचना से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य एजेंडा बिंदुओं में डीएमएम लाइब्रेरी में विद्युत एवं जलापूर्ति की व्यवस्था, सीटी/पीटी सर्वे एवं Aspirational Toilet परियोजना की प्रगति, वाटर एटीएम की कार्यशीलता एवं रखरखाव के लिए बिजली व जल कनेक्शन, शौचालय निरीक्षण टीम का गठन (जिसमें जुस्को, जेएनएसी एवं सुलभ इंटरनेशनल के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे), बस स्टैंड से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा, प्रमुख सड़कों पर नो पार्किंग जोन का सीमांकन तथा वेंडिंग जोन के विकास की रूपरेखा पर चर्चा शामिल रही।

उप नगर आयुक्त ने बैठक में निर्देश दिया कि सभी विभाग एवं संबंधित एजेंसियां निर्धारित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें तथा नागरिक सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए आपसी समन्वय बनाए रखें।

गोविंदपुर में नव युवक काली पूजा समिति द्वारा भव्य मेले का उद्घाटन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। गोविंदपुर सामुदायिक विकास मैदान में आयोजित होने वाले काली पूजा के अवसर पर लगने वाले भव्य मेले का विधिवत उद्घाटन आज गणमान्य अतिथियों के कर कमलों से संपन्न हुआ ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के महासचिव आर के सिंह, अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, जिला परिषद् डॉ परितोष सिंह,पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह टोटे, समाजसेवी सुनील सिंह, समाजसेवी गोपाल सिंह, संतोष तिवारी के कर कमलों से संपन्न हुआ

इस भव्य मेले में सभी प्रकार के झूले, तोरा तौरा झूला मुख्य आकर्षक,सभी तरह की आकर्षक दुकाने लगी है। यह मेला अगामी 29 अक्टूबर तक चलेगा ।

कार्यक्रम का संचालन रमेश अग्निहोत्री, स्वागत भाषण सतवीर सिंह बग्गा, धन्यवाद ज्ञापन शंभु सिंह ने किया

शेन इंटरनेशनल स्कूल में दीपोत्सव पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।कांड्रा स्थित शेन इंटरनेशनल स्कूल में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन प्रधानाचार्या (प्रशासन) डॉ0 केया अदक, प्रधानाचार्या (अकादमिक) तंद्रिमा बनर्जी और प्रधानाध्यापिका सिमरन सग्गू ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कागज के उत्कृष्ट लालटेन और दीयों की सजावट के माध्यम से अपनी रचनात्मकता कलाकृति का प्रदर्शन किया। इस मौके पर विद्यालय परिसर में भव्य कलात्मक रंगोली का निर्माण कर सजाया गया था। इस मौके पर प्रधानाचार्या केया अदक ने कहा कि विद्यालय परिसर में बच्चों की ओर से यह भव्य आयोजन काबिले तारिफ है। यह आयोजन सभी के बीच प्रेम, प्रकाश और गर्मजोशी का संचार किया। इस कार्यक्रम ने समुदाय, एकता और एकजुटता की भावना को बढ़ावा दिया, जिससे यह सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने परिवार संग पारंपरिक तरीके से मनाई दीपावली, राज्यवासियों को दी शुभकामनाएं

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरःशहर में दीपावली की रौनक देखते ही बन रही है। हर ओर रोशनी, सजावट और खुशियों का माहौल है। इसी बीच झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने अपने कदम स्थित आवास पर परिवार के साथ पारंपरिक तरीके से दीपावली मनाई।

इस अवसर पर उन्होंने विधिवत भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की और पूरे घर में मिट्टी के दीप जलाए। पूजा के बाद बन्ना गुप्ता ने अपने परिवार के साथ फुलझड़ी जलाकर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं।

पूर्व मंत्री ने इस मौके पर पूरे झारखंडवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। वहीं, उनकी पत्नी सुधा गुप्ता ने भी राज्य की जनता के सुख-समृद्धि और उज्जवल भविष्य की कामना की।

आस्था और भक्ति के साथ की गई शक्ति की देवी मां काली की पूजा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया ।कांड्रा, गम्हरिया समेत आसपास के क्षेत्रों में आस्था एवं भक्ति के साथ शक्ति की देवी माता काली पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में जुटे श्रद्धालुओं द्वारा विधिपूर्वक मां काली की पूजा अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। इस मौके पर कांड्रा बाजार, औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्मशान काली मंदिर, गम्हरिया हाट बाजार परिसर, जगन्नाथपुर पूंजीडूंगरी काली मंदिर आदि में रात्रि 12 बजे विधि विधान व पवित्र मंत्रोच्चारण के साथ माता की पूजा अर्चना की गई जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु जुटे। कांड्रा बाजार स्थित श्री श्री सार्वजनिक काली पूजा कमेटी न्यू यूथ क्लब की ओर से भी भव्य पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर सर्वप्रथम कमेटी के सदस्यों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई और स्थानीय तालाब से कलश में जल लेकर मन्दिर में संकल्पित किया गया। इस मौके पर पूजा पंडाल को रंग-बिरंगी रोशनियों और सुंदर सजावट से सजाया गया था, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मंगलवार को इस मौके पर भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया। इसके आयोजन में कमेटी के सभी सदस्यों का योगदान रहा।

चित्रगुप्त महासमिति गुरुवार को धूमधाम से मनाएगी चित्रगुप्त पूजा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया ।चित्रगुप्त महासमिति की ओर से गुरुवार को बड़ा गम्हरिया स्थित चित्रगुप्त भवन में धूमधाम से भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केएम श्रीवास्तव और महासचिव संजय कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान चित्रगुप्त की मूर्ति स्थापित कर भव्य पूजनोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन?होंने बताया कि प्रातः 11 बजे से पूजा का आयोजन होगा। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण होगा। इस मौके पर संध्या में आरती के पश्चात भजन कीर्तन व अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। इस पूजनोत्सव की जोर शोर से तैयारी की जा रही है। इसके आयोजन में समिति के भूदेव वर्मा, रत्नेश्वर सहाय, मुकेश श्रीवास्तव, राजेश कुमार, प्रभाष रंजन प्रसाद, कंचन कुमार सिन्हा, मदन प्रसाद कर्ण, महेश कुमार श्रीवास्तव समेत सभी सदस्य जुटे हैं।

घाटशिला उपचुनावः आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत अब करें cVIGIL एप से, आपकी पहचान रहेगी गोपनीय

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरःघाटशिला विधानसभा उपचुनाव-2025 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री कर्ण सत्यार्थी ने नागरिकों से अपील की है कि वे आदर्श आचार संहिता (टउउ) के किसी भी उल्लंघन की सूचना तुरंत cVIGIL मोबाइल एप के माध्यम से दें। उन्होंने कहा कि ह्लएक क्लिक में शिकायत करें और निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र चुनाव में अपनी भागीदारी निभाएं।ह्व शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

cVIGIL एप की मुख्य विशेषताएंः

यह एप चुनावी शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए बनाया गया है। नागरिक इस एप के जरिए साम्प्रदायिक भाषण, शराब या धन वितरण, फेक न्यूज, पेड न्यूज, मतदाता परिवहन, संपत्ति क्षति, आग्नेयास्त्र प्रदर्शन, मुफ्त वितरण या धमकाने जैसी गतिविधियों की शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

भालूकोचा चौक का नाम अब होगा राजा शत्रुघ्न आदित्यदेव चौक

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिलः चांडिल-चांडिल नए बायपास सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग 18) के भालूकोचा स्थित चौक का नाम अब राजा शत्रुघ्न आदित्यदेव चौक के नाम से जाना जाएगा। मंगलवार को स्थानीय ग्रामीणों ने एक कार्यक्रम आयोजित कर इस नामकरण की औपचारिक घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने ईचागढ़ राजघराने के पूर्व राजा शत्रुघ्न आदित्यदेव के योगदानों को याद किया और उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

संपादक की कलम से

35 साल से गठबंधन की मिसाल बनी हुई है बिहार राजनीति

देवानंद सिंह

बिहार में अंतिम चरण की नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। जीत की अभिलाषा लिए नेताओं व उनके राजनीतिक दलों ने बढ़-चढ़कर दावे-प्रतिदावे करने शुरू कर दिए हैं। लेकिन कोई भी दल अपने दम पर बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का दावा नहीं कर रहा है। वह अपने दल वाली गठबंधन की जीत का दावा कर रहा है। ऐसा करना उनकी मजबूरी है क्योंकि तीन दशक से अधिक समय से यहां गठबंधन की ही सरकार रही है।

हकीकत है कि बिहार की सियासत में बिना गठबंधन कोई पार्टी नहीं चल पाती है । लगभग 35 साल से यहां हर सरकार जोड़-घटाव के फामूर्ले पर बनी है। नीतीश-लालू से लेकर से दिवंगत रामविलास पासवान और अब उनके बेटे चिराग पासवान तक, सबका सफर बताता है कि बिहार को गठबंधन की आदत सी लग गई है।

भारत की दो सबसे बड़ी पार्टियां भाजपा और कांग्रेस का भी यहां यही हाल है। मौजूदा सत्तासीन बिहार सरकार में भाजपा जहां नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जदयू व चिराग की लोजपा (आर) व जीतन राम मांझी की हम व उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के साथ सरकार चला रही है वहीं प्रमुख विपक्षी दल राजद सत्ता में आने के लिए कांग्रेस, वामपंथी दलों व वीआईपी के साथ चुनावी मैदान में उतरीं हुईं हैं।

सच कहें तो ऐसा लगता है कि बिहार को गठबंधन की लत सी लग गई है।

अगर बिहार की सत्ता की गठबंधन वाली स्क्रिप्ट देखी जाए, तो 1990 से अब तक दो ही चेहरे हर फ्रेम में मुख्य रूप से रहे हैं, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार। लालू ने 1990 में बीजेपी के समर्थन से मुख्यमंत्री की कुर्सी पाई, फिर उसी बीजेपी के खिलाफ महागठबंधन बनाया। नीतीश कुमार भी कम पीछे नहीं रहे, वे बीजेपी से नाता जोड़कर मुख्यमंत्री बने, फिर आरजेडी से मिल गए, फिर दोबारा एनडीए में लौटे।

इन 35 सालों में नीतीश कुमार ने 9 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, लेकिन हर बार किसी न किसी गठबंधन के सहारे। लालू और नीतीश की राजनीति इस बात की मिसाल है कि सियासी कुर्सी का रास्ता अब विचारों से नहीं, जोड़-घटाव और गठबंधन के गलियारों से तय होता है।

यह भी कटु सच है कि बिहार की राजनीति जातीय समीकरणों के बिना अधूरी है। यादव, कुर्मी, राजपूत, भूमिहार, मुसलमान, हर वर्ग को एक ह्यराजनैतिक ठिकानाह्न चाहिए, और यही ठिकाने ही गठबंधन की जमीन बनाते हैं।

उदाहरण के लिए, आरजेडी का ह्यट समीकरणह्न (मुस्लिम-यादव) तभी काम करता है जब कांग्रेस या वाम दल जैसे सहयोगी दल उसके साथ आएं।

भाजपा को भी नीतीश या जीतनराम मांझी जैसे सहयोगियों की जरूरत पड़ती है, ताकि उसे सवर्ण से लेकर अतिपिछड़ा वोट तक एक साथ मिल सके। यानी बिहार में ह्लकिसका वोट किसके पास जाएगाह्न यही असली विज्ञान है, और गठबंधन ही उसकी केमिस्ट्री।

ऐसे में यह सवाल भी जब तब उठता रहता है कि बिहार में गठबंधन की मजबूरी है या कमजोरी? इतिहास में जाएं तो 1967 से अब तक बिहार ने 9 बार सरकारें बदली हैं, कई बार मुख्यमंत्री का कार्यकाल हफ्ते तक ही चल सकी हैं। इन सबसे राजनीतिक पार्टियों ने जो आउटपुट निकाला वो है, ह्लअकेले लड़ना नुकसान का सौदा हैह्न। यही सोच अब गहराई तक बैठ गई है।

चुनाव लड़ने से पहले ही पार्टियां पोस्ट-इलेक्शन अरेंजमेंट सोचने लगती हैं। आज की तारीख में महागठबंधन में 7 दल और एनडीए में 5 सहयोगी दलें शामिल हैं, जिनके बीच सीट बंटवारे को लेकर अंदरखाने जंग भी देखने को मिला था। पर यह सच भी है कि जैसे ही नतीजे बदलते हैं, गठबंधन भी बदल जाता है।

सच्चाई है कि बिहार में ह्लगठबंधन मजबूरी सी हो गई है। असल में, बिहार में कभी किसी एक पार्टी को 35% से ज्यादा वोट नहीं मिले। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बात करें तो बिहार में कभी भी वह अपने दम पर सरकार नहीं बना पाई है। जितने भी समय बीजेपी बिहार की सत्ता में रही है, वो जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के सहारे और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही रही है।

साल 2015 में जब बीजेपी ने जेडीयू से अलग होकर चुनाव लड़ा, तो पार्टी सिर्फ.53 सीटों पर सिमट गई थी। वहीं 2020 में पार्टी ने जेडीयू के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो बीजेपी को 74 और जेडीयू को सिर्फ. 43 सीट मिली थी। बीजेपी 2020 में जेडीयू से बड़ी पार्टी बनी थी लेकिन उसने अपना मुख्यमंत्री नहीं बनाया। पार्टी को बिहार की जातीय संरचना के चलते नीतीश का साथ किसी भी कीमत पर चाहिए। नीतीश के साथ नहीं रहने पर उसकी स्थिति 2015 जैसी हो जाती है।

यानी, अकेले दम पर कोई पार्टी यहां जीत नहीं पाती है, इसलिए सबको दोस्ती करनी पड़ती है। ये सिलसिला समाज की अलग-अलग जातियों से शुरू हुआ और अब राजनीति की मजबूरी बन गया है। जितनी जातियां, उतने नेता और सबको थोड़ा-थोड़ा हिस्सा चाहिए। नतीजा ये हुआ कि जनता आज तक नहीं समझ पाई कि असली जिम्मेदारी किसकी है ?

हालांकि जाति आधारित राजनीति को तोड़ने की बिहार में पहली बार कोशिश की गई है और यह कोशिश करने वाला कोई और नहीं बल्कि जाना पहचाना नाम प्रशांत किशोर हैं। उनकी पार्टी जनसुराज इस बार के चुनाव में बिना किसी दूसरे दलों के साथ गठबंधन कर दमखम के साथ लगी हुई है। बिना किसी जाति धर्म आदि को देखते हुए जनसुराज ने पढ़े लिखे कैंडिडेट्स उतारे हैं लेकिन रिजल्ट क्या रहता है, यह देखने वाली बात होगी।

अगर जनसुराज कुछ करिश्मा करने में सफल हो जाता है तो बिहार में एक अलग तरह की राजनीति की बुनियाद पड़ जाएगी जो आने वाले समय के लिए निसंदेह अच्छा रहेगा लेकिन बिहार जैसे राज्य जहां जाति आधारित राजनीति ही होती रही है वहां जनसुराज की सोच कितना असर डाल पाती है यह देखने वाली बात होगी।

प्रकाश और पूजा का दिव्य संगम

मनीषा शर्मा

शरद ऋतु में त्योहारों की खुशियाँ चारों ओर छा जाती हैं। इस समय का आकर्षण ऐसा होता है कि समय कैसे बीतता है, पता ही नहीं चलता। ऐसे ही आनंदमय समय में असम और पूरे भारतवर्ष के जन-जीवन के द्वार पर दीपावली का प्रकाशमय और गौरवशाली उत्सव दस्तक देता है।

हालाँकि यह उत्सव केरल की कोई सामाजिक परंपरा नहीं है, फिर भी इसका एक समृद्ध इतिहास और संस्कृति है। यह उत्सव शक्ति के विनाश और भय पर चिरकालिक विजय की स्थापना करता है। भारतीय संस्कृति में दीपावली का प्रकाश उत्सव और काली पूजा को धार्मिक आस्था से विशेष रूप से महिमामंडित किया गया है। कुछ भाषाओं में इसे श्यामा पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

वास्तव में, दीपावली और बलि पूजा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं–एक बाह्य प्रकाश का उत्सव है, तो दूसरा उस प्रकाश के आंतरिक स्रोत की पूजा। शास्त्रों और पुराणों के अनुसार बलि उत्सव से कई महान अनुष्ठान जुड़े हुए हैं। प्राचीन ग्रंथ ह्यपद्मपुराणह्न जैसे ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है, जो इसके प्राचीन परंपरा की ओर संकेत करते हैं।

एक सामान्य विश्वास के अनुसार, यही वह दिन है जब भगवान श्रीराम चौदह वर्षों का वनवास समाप्त कर, रावण को पराजित कर लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। उनके विजयी लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर नगर को अद्भुत और अलौकिक रूप से सजा दिया था।

इसलिए इस दिन को अंधकार पर प्रकाश और प्रकाश पर प्रकाश की विजय के रूप में याद किया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, दीपों का यह पर्व उसी दिन मनाया जाता है जब भगवान श्री विष्णु ने नवसुन्न नामक एक अमर को पृथ्वी पर कैद कर, उसकी जेल में बंद एक स्त्री को मुक्त किया था। इसे भी इस शुभ पर्व की शुरूआत के रूप में मान्यता प्राप्त है।

इसी कारण, इस शुभ संध्या पर प्रत्येक घर में सुख और सौभाग्य की देवी महालक्ष्मी की पूजा की जाती है, जो त्योहार के आर्थिक और पारिवारिक पक्ष को उज्जवल बनाती है।

काली पूजा में देवी काली की आराधना होती है। वह गहरे काले रंग की हैं, जो अतीत के अनियंत्रित, सुप्त निराकार सत्ता की शक्ति हैं। उनका नग्न शरीर उनकी असीम और शाश्वत प्रकृति का प्रतीक है। वे अतीत, वर्तमान और भविष्य–इन तीनों पर अपने दृष्टिकोण की एकता का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उनकी गरदन में पचास माला हैं, जो पचास यौन अंगों का प्रतीक हैं, जिनसे शब्द और प्रकाश की उत्पत्ति होती है। उनके ऊपर के बाएँ हाथ में तलवार है, जो अज्ञानता को काटने का प्रतीक है, जबकि नीचे के बाएँ हाथ में असुर के विनाश का संकेत है। उनका दाहिना हाथ भय से मुक्ति और लौकिक व आध्यात्मिक मंगल का आशीर्वाद प्रदान करता है।

इस देवी ने महादेव को पहचान कर अपने विराट रूप को इस प्रकार स्थापित किया कि शक्ति की अविभाज्य ऊर्जा के रूप में स्वयं शिव भी प्रकट हो सके। इस तरह ब्रह्मांड की सृष्टि में शिव और शक्ति अभिन्न हैं।

इस पूजा का एक राजकीय अर्थ भी है। काली पूजा के ठीक पहले वाले दिन को ह्यभूत चतुर्दशीह्न कहा जाता है। इस दिन पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए शाम को शरीर पर चौदह दीपक जलाए जाते हैं।

दीपावली के दिन घर को साफ कर, दीपों और रोशनी से सजाया जाता है।

यह सजावट केवल बाह्य नहीं होती, बल्कि यह मन और आत्मा की शुद्धता का प्रतीक होती है। दीपों की श्रृंखला अज्ञान के अंधकार को दूर करती है। यह सूर्य के प्रकाश से जीवन को भर देती है और एक अंत में एक नई शुरूआत का प्रतीक बनती है।

अंत में कहा जा सकता है कि दीपावली भारतवर्ष में सुख, एकता और प्रकाश लाती है, वहीं काली पूजा समाज के हर व्यक्ति के जीवन में शक्ति, भक्ति और आंतरिक शांति की आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती है।

ये दोनों उत्सव बाह्य प्रकाश और आंतरिक ऊर्जा के एक अद्वितीय सम्मिलन हैं। आतिशबाजी और दीपों के क्षणिक प्रकाश के समानांतर, हमारे अंतःकरण में भक्ति, प्रेम और ज्ञान का शाश्वत प्रकाश भी प्रज्वलित होता है–यही है दीपावली और काली पूजा का मूल उद्देश्य।

यह प्रकाश पर्व और काली पूजा व्यक्ति की सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक विकास का एक महान मंच है।

झारखंडी अस्मिता पर गठबंधन की राजनीति भारी

अमन शांडिल्य

राजद से नाराजगी के बहाने झामुमो को अपनी दिशा तय करनी होगी

झारखंड की राजनीति में एक बार फिर अस्मिता और आत्मसम्मान का प्रश्न उभर आया है। झामुमो नेता सुदिव्य सोनू का यह कहना कि ह्लराजद ने हमें धोखा दियाह्न केवल चुनावी बयान नहीं, बल्कि झारखंड की पहचान और राजनीतिक सम्मान से जुड़ा एक गहरा संकेत है।

राजद का इतिहास झारखंड विरोध से भरा रहा है। यह वही पार्टी है जिसके सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा था – झारखंड हमारी लाश पर बनेगा।

आज वही राजद झामुमो की सरकार का हिस्सा है। यह दृश्य झारखंड की राजनीति का सबसे बड़ा विरोधाभास है – जिन्होंने झारखंड के अस्तित्व को नकारा, वही आज उसकी राजनीति की धुरी बन गए हैं।

गुरुजी की विरासतः आंदोलन से समझौते तक

शिबू सोरेन उर्फ गुरुजी झारखंड आंदोलन के सबसे बड़े प्रतीक रहे हैं। उन्होंने जंगल, जमीन और जल पर झारखंडियों के हक की लड़ाई लड़ी। पर आज उनकी पार्टी ऐसे गठबंधन में बंधी दिखती है, जिसने कभी झारखंडी अस्मिता को ह्लविभाजनकारी राजनीतिह्न बताया था।

गुरुजी की विरासत सम्मान और स्वाभिमान की थी, लेकिन सत्ता की राजनीति ने उसे धीरे-धीरे समझौतों की राजनीति में बदल दिया है।

हेमंत सोरेन की राजनीति सिद्धांत या समीकरण?

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड को नई दिशा देने का वादा किया था। लेकिन कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन ने उनकी वैचारिक स्थिति को कमजोर किया है।

यह सच है कि राजद और कांग्रेस के साथ रहकर झामुमो को मुस्लिम और ईसाई मतदाताओं का समर्थन मिला, पर सवाल यह भी है कि इसके बदले में क्या झारखंडी पहचान को पीछे छोड़ दिया गया? राजद हमेशा से झामुमो को बराबरी का नहीं, ह्लछोटा साथीह्न मानता रहा है। चाहे सीट बंटवारे का मामला हो या नेतृत्व का सम्मान – हर बार झामुमो को समझौता करना पड़ा है।

भाजपा-आजसू से दूरी, राजद-कांग्रेस से निकटता — विरोधाभास स्पष्ट

यह भी एक राजनीतिक विडंबना है कि झामुमो आज उन दलों के साथ है जिन्होंने झारखंड के निर्माण का विरोध किया था, और उन दलों से दूर है जिन्होंने उसका समर्थन किया था।

भाजपा और आजसू राज्य निर्माण के समर्थक थे, जबकि राजद और कांग्रेस इसके विरोधी।

ऐसे में सवाल उठता है – क्या सत्ता का गठबंधन झारखंडी अस्मिता से बड़ा हो गया है?

झामुमो को तय करनी होगी अपनी दिशा

सुदिव्य सोनू का बयान झामुमो के भीतर की बेचैनी का संकेत है। झारखंड की जनता यह भलीभांति समझती है कि आंदोलन से जन्मी पार्टी अगर अपने सिद्धांतों से समझौता करती है, तो उसकी विश्वसनीयता खत्म हो जाती है।

शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन को अब यह तय करना होगा कि वे झारखंड की अस्मिता के प्रतीक बने रहेंगे या सत्ता के समीकरणों के कैदी बनेंगे।

गुरुजी की विरासत सम्मान की थी – उसे किसी भी कीमत पर गठबंधन की मजबूरियों में गुम नहीं होने देना चाहिए।

गोवर्धन पूजा भारतीय लोक जीवन में गाय की महता को दशार्ता है

विजय केसरी

कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा अर्थात दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला यह पर्व गोवर्धन पूजा के नाम से जाना जाता है। आदिकाल से गाय भारतीय लोक जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है । चूंकि भारत एक कृषि प्रधान देश के रूप में संपूर्ण विश्व में विख्यात है। कृषि कार्य में गौ वंश की उपयोगिता जग जाहिर है। गौ वंश लोक जीवन के लिए स्वास्थ्य का आधार भी माना जाता है। इतने वैज्ञानिक आविष्कारों के बावजूद भारत वर्ष में गौ वंश की उपयोगिता उसी तरह बनी हुई है। इसका सबसे प्रमुख कारण यह है कि हमारे ऋषि मुनियों ने हिंदू धर्मग्रंथों में ऐसी ऐसी लोक कथाओं का सृजन किया था जो हमारी संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम और भगवान कृष्ण दो ऐसे देव हुए जिन्होंने अपने मुखारविंद से भारतीय समाज को एक नया सूत्र दिया। ये सूत्र भी हमारी संस्कृति के प्रमुख आधार बन चुके हैं । भगवान राम के पूर्वज गौ वंश के रक्षक रहे थे। यह परंपरा भगवान राम के कालखंड में भी देखने को मिलता है। भगवान कृष्ण ने भी गौ वंश की महता और रक्षा का विधान भी हम सबों को दिया। द्वापर में भगवान कृष्ण के प्रमुख बाल सखाओं में गोप जाति के ही बालक शामिल थे।

हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने अपने गोप बाल सखाओं को देवराज इंद्र के वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी एक उंगली में उठाकर रक्षा की थी। वहीं दूसरी ओर उन्होंने देवराज इंद्र के अहंकार को भी ध्वस्त किया था। इसलिए दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस दिन देश भर के कृष्ण मंदिरों में भगवान के लिए विशेष रूप से प्रसाद का भोग लगाया जाता है। इस प्रसाद को कृष्ण भक्तों में बांटा जाता है। इस त्यौहार का भारतीय लोक जीवन में बहुत महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। गोवर्धन पूजा में गोधन अर्थात गायों की पूजा की जाती है। हमारे शास्त्रों में वर्णित है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है, जैसे नदियों में गंगा पवित्र है। गाय को माता देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख, समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में अनाज उगाता है। ऐसे गौ सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गोवर्धन पूजा गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है।

आगे कथा को विस्तार देते हुए पाठकों को यह बताना चाहता हूं कि जब भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे थे । सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र को अभिमान हो गया था। इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण जो स्वयं लीलाधारी श्री हरि विष्णु के अवतार हैं । उन्होंने एक लीला रची थी। प्रभु की इस लीला में यूं हुआ कि एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे थे, और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने बड़े भोलेपन से मईया यशोदा से प्रश्न किया मईया ये आप लोग किनकी पूजा की तैयारी कर रहे है ? कृष्ण की बातें सुनकर मैया बोली, लल्ला ! हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं ? मैईया ने कहा वह वर्षा करते हैं, जिससे अन्न की उपज होती है । उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये वहीं चरती हैं, इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है । इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं । अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए।

आगे कथा में वर्णन है कि लीलाधारी की लीला और माया से सभी ने इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा आरम्भ कर दी। प्रलय के समान वर्षा देखकर सभी बृजवासी भगवान कृष्ण को कोसने लगे कि, सब इनका कहा मानने से हुआ । तब मुरलीधर ने मुरली कमर में डाली और अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियंत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें। किन्तु इन्द्र निरन्तर सात दिनों तक मूसलाधार वर्षा करते रहे थे, तब उन्हे लगा कि उनका सामना करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतांत कह सुनाया। तब ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं, वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं। वे पूर्ण पुरूषोत्तम नारायण हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यन्त लज्जित हुए। देवराज इंद्र ने श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका इसलिए अहंकार वश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने मुरलीधर की पूजा कर उन्हें भोग लगाया।

उक्त पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्धन पूजा की जाने लगी। बृजवासी इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है। उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है इस दिन प्रातः काल शरीर पर तेल मलकर स्नान करने का प्राचीन परम्परा है। लोग सवेरे समय पर उठकर पूजन सामग्री के साथ में आप पूजा स्थल पर बैठ जाते हैं। वे अपने अपने कुल देव का, कुल देवी का ध्यान कर पूजा करते हैं। लोग पूरी श्रद्धा से गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उसकी पूजा करते हैं। गोवर्धन की आकृति बनाकर उनके मध्य में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति रखी जाती है। नाभि के स्थान पर एक कटोरी जितना गड्ढा बना लिया जाता है।

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी द्वारा प्रस्तुत मिथिला दैनिक राशिफल

डा सुधा नन्द झा

मेष - कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष - आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी डूष्चता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन - व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क - अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह - नवीन जिम्मेदारी बढ? के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या- आगे बढ? के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला - लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक - शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु - यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर - मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुम्भ - आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन - बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी जमशेदपुर झारखंड मो एवं वाट्सअप नंबर 9430336503

डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी की जयंती नारायण आईटीआई, लुपुंगडीह चांडिल में श्रद्धापूर्वक मनाई गई

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिलः नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।
कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण से हुई, जिसके पश्चात संस्थान परिसर में देशभक्ति और प्रेरणा का वातावरण व्याप्त हो गया।
इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. जटाशंकर पांडे जी ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी के जीवन एवं योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।
उन्होंने कहा कि ह्लडॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी भारतीय राजनीति के महान योद्धा, शिक्षाप्रेमी और समाज सुधारक थे। उनका जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का प्रतीक था।ह्व
उन्होंने आगे कहा कि श्री कृष्णा बाबू की स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई

महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन और अन्य आंदोलनों में उन्होंने सक्रिय भाग लिया।

औद्योगिक और आर्थिक विकास

उनके शासनकाल में बिहार में भारी उद्योगों और सिंचाई परियोजनाओं की शुरूआत हुई। बोकारो स्टील प्लांट और सिंचाई नहर परियोजनाओं जैसी योजनाओं की नींव उन्हीं के समय में रखी गई।उन्होंने किसानों के लिए भूमि सुधार नीति लागू की। मजदूरों और निम्न वर्ग के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ शुरू कीं।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडवोकेट निखिल कुमार, शांति राम महतो, प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, शुभम साहू, पवन कुमार महतो, शशि भूषण महतो, अजय कुमार मंडल, गौरव महतो आदि मौजूद रहे।
सभी अतिथियों ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।छात्रों द्वारा डॉ. श्रीकृष्ण सिंह जी के जीवन पर भाषण, गीत एवं विचार प्रस्तुत किए गए, जिससे कार्यक्रम का माहौल प्रेरणादायी बन गया।अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. जटाशंकर पांडे जी ने कहा कि ह्लमहापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारना है।ह्व

सार-संक्षेप

घाटशिला उपचुनाव को लेकर जिला प्रशासन सख्त, 28 अक्टूबर तक सभी लाइसेंसी हथियार जमा करने का निर्देश

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुरः45-घाटशिला (अ.जा.) विधानसभा उप निर्वाचन 2025 के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती बरती है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों (लाइसेंसधारियों) को आदेश दिया गया है कि वे अपने अनुज्ञप्ति में अंकित सभी शस्त्र 28 अक्टूबर 2025 तक संबंधित थाना में जमा करें।
पूर्व में जारी आदेश (ज्ञापांक 208/सा०, दिनांक 08/10/2025) के तहत यह निर्देश दिया गया था कि सभी अनुज्ञप्तिधारी 15 अक्टूबर 2025 तक अपने शस्त्र जमा करें, परंतु कई लोगों द्वारा अब तक पालन नहीं किए जाने पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पुनः निर्देश जारी किया है।
प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित तिथि तक शस्त्र जमा नहीं करने वाले अनुज्ञप्तिधारकों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

सेवा ही सच्चा सम्मान है :उमेश भारती

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चतरा :जिला कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक के दौरान चतरा उपायुक्त कृतिश्री जी ,पुलिस कप्तान सुमीत अग्रवाल तथा सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के करकमलों द्वारा आज सामाजिक कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। यह मेरे निरंतर सामाजिक योगदान को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। इसके लिए उमेश भारती ने चतरा जिला प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया, इस सम्मान समारोह ने न केवल व्यक्तिगत रूप से उत्साह बढ़ाया, बल्कि जिले के अन्य सामाजिक कार्यकताओं और युवाओं में भी समाज सेवा की भावना को नई उड़ान दी।
जिला प्रशासन द्वारा ऐसे प्रयास निश्चित रूप से एक जागरूक, उत्तरदायी और सशक्त समाज की दिशा में मजबूत कदम साबित होंगे।
उमेश भारती को भाजपा राजद, कांग्रेस लोजपा और जे एम एम के नेताओ ने शुभकामना दिए।

अर्पण परिवार का सेवा कार्य जारी, बागबेड़ा में बच्चों के बीच दिवाली की खुशियां बांटी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर : सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय अर्पण परिवार ने बागबेड़ा स्थित राजकीय जय हिंद बालिका मध्य विद्यालय में बच्चों के बीच दिवाली की खुशियां बांटी। इस अवसर पर बच्चों को पटाखे वितरित किए गए। जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान और उत्साह की लहर दौड़ गई।
अर्पण परिवार का यह प्रयास तीसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें बच्चों के साथ मिलकर दिवाली का आनंद साझा किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य न केवल त्योहार की खुशियां बांटना है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देना भी है। अर्पण परिवार के सदस्यों ने कहा, हमारा प्रयास है कि बच्चों के जीवन में खुशियों और उमंग की रोशनी हमेशा बनी रहे। इस प्रकार की गतिविधियां समाज में मानवीय मूल्यों और स्नेह को प्रज्वलित करती हैं।
इस सेवा कार्य को सफल बनाने में संस्था के जूगुन पांडे, बिभाष मजुमदार, प्रिंस सिंह, घनश्याम भिरभरिया, दीपक सिंह, राम पात्रो, हेमन्त कुमार पान, शिव दास, बिशु लोहार, अजय लोहार, शत्रुघ्न दास सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

बीएसएल प्लांट में इलेक्ट्रिकल फ्लैश: दो घायल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बोकारोः बीएसएल प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-1 में मंगलवार अपराह्न कार्य के दौरान अचानक इलेक्ट्रिकल फ्लैश हुआ, जिसमें एक बीएसएल कर्मी और एक ठेका श्रमिक घायल हो गए। घायलों की पहचान देवब्रत यादव और शक्ति पद कुमार बाउरी के रूप में हुई है। उन्हें तुरंत बोकारो जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।
उपायुक्त अजय नाथ झा ने एसडीओ चास प्रांजल ढांडा को बीएसएल प्रबंधन से घटना की विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त कर प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो ने फिर दिया बाहरी-भीतरी का नारा, भाजपा प्रत्याशी पर साधा निशाना

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। घाटशिला उपचुनाव में अपने प्रत्याशी रामदास मुर्मू के नामांकन के दौरान जेएलकेएम सुप्रीमो एवं डुमरी विधायक जयराम महतो ने एक बार फिर ह्यबाहरी-भीतरीह्व का नारा बुलंद किया। उन्होंने जनता से अपील की कि ह्लराजा का बेटा राजा न बनेह्व, बल्कि जनता अपने मताधिकार का प्रयोग अपने हित में करे।
जयराम महतो ने कहा कि संविधान ने जनता को यह अधिकार दिया है कि वे अपने हक

की रक्षा करने वाले प्रतिनिधि का चयन करें। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पिता चंपई सोरेन पर आदिवासी मुद्दों पर झूठा श्रेय लेने का आरोप लगाया। साथ ही भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को ह्लडरपोक और निकम्माह्व बताया।उन्होंने कहा कि अब समय है कि जनता वंशवाद की राजनीति को समाप्त कर स्थानीय नेतृत्व को मौका दे। मौके पर बड़ी संख्या में जेएलकेएम कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

पोटका में दीपावली तथा काली पूजा हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पोटका। प्रखंड क्षेत्र में दीवाली और मां काली की पूजा सोल्लास पूर्वक आयोजित किया गया। क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार ने सोमवार को विभिन्न पूजा पंडालों में उपस्थित होकर मां काली के समक्ष नत मस्तक हुए एवं क्षेत्रवासियों के लिए सुख शांति और समृद्धि की कामना किया। उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि हल्दीपोखर किशोर क्लब काली पूजा पंडाल का उदघाटन किया। मौके पर उन्होंने कहा कि मां काली शक्ति की देवी है। मां से विनती है कि वे अपने भक्तों पर सदा कृपा बरसाए रखें। विधायक

ने चांपीडीह, हाता, तेंतला चौक, पोटका में आयोजित काली पूजा में सम्मिलित होकर मां काली का आशीष लिया।
इस अवसर पर कृष्णा गोप, पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, झारखंड आंदोलनकारी सुनील महतो, बबलू चौधरी,हाता कमेटी के अध्यक्ष उपेन्द्र नाथ सरदार,बबाई पालित, महेंद्र सिंह, क्लब के अध्यक्ष भृगु कालिंदी, सचिव शुभम बोस, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता,सेंटु बोस,अमल बोस,बबली बोस,देव पालित , रोहित राम,उतम बागती, विकास गुप्ता, लालटू दास,सागर सरदार,प्रकाश सरदार सहित अन्य उपस्थित थे।

शहीद अजीत धनंजय महतो की 43वीं शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के तिरुलडीह प्रखंड कार्यालय परिसर में वर्ष 1982 में छात्र युवा मोर्चा के बैनर तले तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन के अंतिम दिन पुलिस फायरिंग में शहीद हुए तत्कालीन छात्र नेता अजीत धनंजय महतो की 43वीं शहादत दिवस मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई।
शहीद स्मारक समिति कुकडू-सिरूम के अध्यक्ष सह झारखंड आंदोलनकारी एवं प्रत्यक्षदर्शी सुनील कुमार महतो तथा समिति की संरक्षक मधुश्री महतो के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। वही दिनभर विभिन्न सामाजिक और राजनीति दलों के

राजनेता समाजसेवी सहित विधायक सविता महतो ने श्रद्धासुमन अर्पित किया. कार्यक्रम में शहीद की धर्मपत्नी बारी महतो एवं पुत्र उपेंद्र नाथ महतो भी उपस्थित रहे।
कार्यक्रम की शुरूआत सिरूम चौक स्थित शहीद बेदी से हुई, जहाँ श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद मोटरसाइकिल जुलूस के रूप में समर्थक शहीद स्थल तिरुलडीह पहुँचे। वहाँ शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया।
इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी सुनील कुमार महतो ने कहा कि वर्ष 1982 में चांडिल, नीमडीह एवं ईचागढ़ प्रखंडों की जनसमस्याओं को लेकर चल रहे तीन दिवसीय आंदोलन के अंतिम दिन पुलिस की गोली से निर्दोष छात्रों की हत्या कर दी गई थी। उन्हीं शहीदों की याद में समिति हर वर्ष श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचानन महतो, गंगाधर महतो, कृष्णपद महतो, आशीष कुमार महतो, पुलकेश महतो, अमित कुमार, संजय महतो, सौरभ कुमार महतो, जितेंद्र नाथ महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समर्थक मौजूद थे।
कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने शहीद अजीत धनंजय महतो के सपनों को साकार करने का संकल्प लिया।

मानसिक रोगियों के लिए एक दिवसीय चिकित्सा शिविर आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पोटका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक रोगियों के लिए एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ० दीपक कुमार गिरी एवं ताजीन कुल्लू उपस्थित थे। मानसिक रोगियों का ये चिकित्सा शिविर विगत डेढ़ साल से बंद था जो गए माह से पुन शुरू किया गया है। आज ये द्वितीय शिविर का आयोजन था। डाक्टरों के द्वारा आज कुल 52 मरीजों को जांच कर दवा दी गई इसमें से 48 पुराने मरीज थे और नए चार मरीज मिले। फिर से एक बार ये शिविर लगाए जाने से मानसिक रोगी

काफी खुश नजर आए उनके जैसों को अब हर माह नियमित रूप से माह के तीसरे मंगलबार को पोटका के शिविर में ही जांच करवा कर दवा मिल जाया करेगा। अगला शिविर नवंबर माह के 18 तारीख को आयोजित होगी। आज के इस शिविर में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ० दीपक कुमार गिरी,ताजीन कुल्लू,सी एच सी प्रभारी डॉ० रजनी महाकुड़ पोटका एवं डालसा के पी एल वी चयन कुमार मंडल, डोबो चकिया,छाकु माझी,ललिता पुरान,मीरा मंडल,ज्योत्सना गोप,बसंती सरदार एवं सुमित कुमार गोप आदि मौजूद मौजूद थे।

नीमडीह थानेदार के खिलाफ साजिश बेनकाब : झूठे आरोप से मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा मामला, सच्चाई आई सामने

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सरायकेला। कपाली निवासी फैयाज आलम उर्फ. सोनू द्वारा नीमडीह थाना प्रभारी संतन तिवारी पर लगाए गए मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोपों की सच्चाई अब सामने आ चुकी है। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फैयाज ने झूठी कहानी गढ़कर न केवल थानेदार की छवि धूमिल करने की कोशिश की, बल्कि सोशल मीडिया पर प्रचारित करवाकर मामले को सनसनीखेज रूप देने का प्रयास भी किया।
मामले की शुरूआत 17 अक्टूबर की शाम हुई थी, जब फैयाज अपने साथी मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ चांडिल डैम घूमने गया था। इसी दौरान दोनों नीमडीह थाना पहुंचे, जहां अजहरुद्दीन किसी मामले को लेकर थाना प्रभारी से जानकारी लेना चाहता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जानकारी न मिलने पर फैयाज ने थाने में अनुचित व्यवहार किया और बाद में बेहोश हो गया। थानेदार ने तत्परता दिखाते हुए उसे प्राथमिक

उपचार के लिए अस्पताल भेजा और सादे कागज पर उसकी सकुशल घर जाने की लिखित पुष्टि करवाई।
इसके बावजूद, फैयाज ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से यह अफवाह फैलाई कि थानेदार ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बाद में उसने मानवाधिकार आयोग में शिकायत भी दर्ज कराई। लेकिन जब पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की तहकीकात की, तो सच्चाई कुछ और ही निकली।
स्थानीय सूत्रों का दावा है कि फैयाज उर्फ. सोनू खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और पत्रकार बताकर कपाली क्षेत्र में गौ-तस्करों की पैरवी करता है। उसके कई ऐसे लोगों से संबंध हैं जो अवैध कारोबार में शामिल हैं। बताया जा रहा है कि वह नीमडीह थाना उस दिन एक चोरी के मामले में पकड़ी गई गाड़ी की पैरवी करने गया था। जब उसकी बात नहीं बनी, तो उसने थानेदार के खिलाफ साजिश रच डाली।
अब जब पूरा मामला उजागर हो चुका है, तो सवाल यह उठता है कि बार-बार नीमडीह थाना प्रभारी को निशाना बनाने की कोशिश के पीछे कौन-सा गिरोह या समूह सक्रिय है? क्या यह वही नेटवर्क है जो क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को बचाने के लिए पुलिस की साख गिराने का खेल खेल रहा है?
फिलहाल, इस प्रकरण ने यह साफ कर दिया है कि नीमडीह थाना प्रभारी संतन तिवारी पर लगाए गए आरोप निराधार थे और सच्चाई एक बार फिर कानून व्यवस्था की ईमानदारी के पक्ष में खड़ी दिखाई दी है।

झारखंड : रेस्तरां मालिक की हत्या मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रांचीः रांची में रेस्तरां के एक मालिक की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी, एक निलंबित पुलिसकर्मी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यहां एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।
पुलिस ने बताया कि रविवार को एक आरोपी प्रशांत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था और उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर मुख्य आरोपी तथा निलंबित पुलिसकर्मी को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया।
अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह के अपने परिवार के साथ रांची से भागने की कोशिश करने की गुप्त सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए

पुलिस ने कई जगहों पर नाकेबंदी की और इस दौरान पुलिस ने सिंह को देखा तथा कांके थाना क्षेत्र में आईटीबीपी शिविर के पास रविवार को उसे घेर लिया।
पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रवीण पुष्कर ने कहा, ह्यह्यपुलिस के साथ मुठभेड़ में मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह के दोनों पैरों में दो गोलियां लगी हैं। उसका इलाज राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में किया जा रहा है।
पुष्कर ने बताया कि उन्होंने मामले में एक अन्य व्यक्ति हरेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने अभिषेक को हथियार मुहैया कराए थे।
पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया, ह्यह्यरविवार रात करीब साढ़े 10 बजे हुई गोलीबारी के बाद हमने दोनों को कांके थाना क्षेत्र में ही पकड़ लिया। उन्होंने पुलिस पर गोलियां चलाईं और जवाबी कार्रवाई में हमने भी गोलियां चलाईं, जिसमें अभिषेक सिंह के पैर में चोटें आईं।ह्लह्ल
इस बीच, एसपी ने बताया कि हरेंद्र सिंह पहले झारखंड पुलिस में सिपाही था और पिछले पांच साल से वह निलंबित है।
अभिषेक ने कबूल किया कि हरेंद्र सिंह ने उसे हथियार मुहैया कराया था। हरेंद्र का आपराधिक इतिहास रहा है तथा उसके खिलाफ अरगोड़ा, गोंडा और पलामू के पाटन में तीन मामले लंबित हैं।
एसपी ने बताया कि अभिषेक सिंह बिहार के औरंगाबाद का रहने वाला है और उसका आपराधिक इतिहास भी रहा है।
उन्होंने बताया कि पुलिस ने कांके और पिठोरिया थानों में चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है, जिनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है और चौथे व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी गई है, जिसकी पहचान अमित ठाकुर के रूप में हुई है।
एसपी ने कहा, ह्यह्यहमने उनके कब्जे से चार पिस्तौल, 31 कारतूस, एक राइफल, दो लाख रुपये नकद, दो वाहन और चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामले की जांच की जा रही है।
रांची में शनिवार रात एक शाकाहारी ग्राहक को कथित तौर पर ह्यनॉनवेज(मांसाहारी)ह्व बिरयानी परोसे जाने के बाद रेस्तरां मालिक विजय कुमार नाग (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद राजद उम्मीदवार को झारखंड पुलिस ने किया गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बिहार की सासाराम सीट से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार सत्येंद्र साह को सोमवार को नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संबंधित थाने के अधिकारियों ने बताया कि साह की गिरफ्तारी झारखंड पुलिस ने की, क्योंकि उनके खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) लंबित था। उनके समर्थक इस कार्रवाई से अनजान थे और गिरफ्तारी की खबर फैलते ही आश्चर्यचकित रह गए।
रोहतास जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्यह्यजैसे ही सत्येंद्र साह सासाराम सीट से अपना नामांकन दाखिल करने के लिए क्षेत्राधिकारी (सीओ) के कार्यालय पहुंचे, झारखंड पुलिस की एक टीम वहां पहुंची और उनके खिलाफ लंबित गैर जमानती वारंट तामील किया।ह्लह्ल
झारखंड पुलिस ने कहा कि वह गढ़वा जिले के चिरौंजिया मोड़ पर 2004 में बैंक में हुई लूट के मामले में आरोपी हैं।
झारखंड के गढ़वा में सदर थाने के प्रभारी अधिकारी सुनील तिवारी ने कहा, ह्लउस मामले में 2018 में सत्येंद्र साह के खिलाफ एक स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड बताते हैं कि लूट, डकैती और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित 20 से अधिक मामले विभिन्न थानों में उनके खिलाफ लंबित हैं।ह्व
बिहार की 243-सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होना है। पहला चरण छह नवंबर और दूसरा 11 नवंबर को है। मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।
यह ह्यइंडियाह्व गठबंधन के प्रत्याशियों की गिरफ्तारी का तीसरा मामला है। इससे पहले, भाकपा (माले) लिबरेशन के दो उम्मीदवार भोरे से जितेंद्र पासवान और दरौली से सत्यदेव राम को भी नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद गिरफ्तार किया गया था।
भाकपा (माले) लिबरेशन ने एक बयान जारी कर इन गिरफ्तारियों की निंदा की थी।

मप्र के छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप कंपनी के मालिक रंगनाथन को भेजा गया जेल

जहरीले कफ सिरप से मप्र में 24 बच्चों की हो चुकी है मौत

छिंदवाड़ा,एजेंसी। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में गिरफ्तार दवा निर्माण करने वाली कंपनी सीरीज एंड फर्म के मालिक रंगनाथन गोविंदन को सोमवार को जेल भेज दिया गया है। पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद उसे परासिया सिविल कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेजने का आदेश दिया। दरअसल, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और बैतूल में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन के बा किड़नी फेल होने से बीते एक माह में 24 बच्चों की मौत हो चुकी है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने रंगनाथन को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर 10 अक्टूबर को पेश किया था, जहां से उसे 10 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया था।

छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने बताया कि किडनी फेल होने और बच्चों की मौत के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। इसी टीम ने 10 अक्टूबर को रंगनाथन को तमिलनाडु से गिरफ्तार कर छिंदवाड़ा लाया था। कोर्ट से रिमांड मिलने के बाद 12 अक्टूबर को एसआईटी जांच के लिए उसे वापस तमिलनाडु लेकर गई थी। तमिलनाडु में जांच के दौरान सिरप की लैब टेस्टिंग में गंभीर लापरवाही सामने आई थी। इसी मामले में कंपनी की केमिकल एनालिस्ट के. महेश्वरी को भी गिरफ्तार किया गया था। तीन दिन की रिमांड पर रखकर पूछताछ करने के बाद महेश्वरी को भी न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा चुका है।

सोमवार को रंगनाथन की रिमांड अवधि पूरी होने पर उसे परासिया सिविल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश के बाद उसे पुलिस अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है। जरूरत पड़ने पर और नए तथ्य सामने आने पर आरोपी को दोबारा रिमांड पर लेने की मांग की जा सकती है।

24 मासूमों की मौत का रंगनाथन को कोई गम नहीं, मीडिया को देख किया अभिवादन : कोल्ड्रिफ कफ सिरप कंपनी श्रीशन फार्मास्यूटिकल के मालिक जी. रंगनाथन गोविंदन को सोमवार को जब परासिया के न्यायालय में पेश किया गया और बाद में जिला जेल भेजा गया, तो उसकी भाव भंगिमा नगर में चर्चा का विषय बन गई। आरोपित रंगनाथन पर जिस दूषित सिरप से 24 मासूम बच्चों की मौत का आरोप है, उसने मीडिया और मौके पर मौजूद भीड़ को देखकर बेहद अजीब प्रतिक्रिया दी। आरोपित मीडिया कैमरों को देखकर इस प्रकार हाथ हिला रहा था, जैसे वह कोई लोकप्रिय नेता या सेलिब्रिटी हो। पुलिस हिरासत में होने और इतने गंभीर अपराध का आरोपित होने के बावजूद, उसके चेहरे पर बच्चों की मौत का कोई पछतावा या शिकन तक दिखाई नहीं दी। आरोपित का यह गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाह व्यवहार बच्चों के शोकसंतप्त परिवारों और स्थानीय लोगों के बीच और अधिक आक्रोश पैदा कर रहा है।

वायु सेना का एयर शो पांच नवंबर को रायपुर में, आसमान में दिखेगा 'सूर्यकिरण' का जलवा

रायपुर,एजेंसी। छत्तीसगढ़ स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर पांच नवंबर की सुबह राजधानी का आसमान रोमांच से भर जाएगा। भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध 'सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम' पहली बार सेंध तालाब के ऊपर भव्य एयर शो करेगी। इस शो में नौ फाइटर जेट्स आसमान में शानदार करतब दिखाएंगे। करीब 40 मिनट तक चलने वाले इस कार्यक्रम में फार्मेशन फ्लाइंग, समन्वित मूवमेंट और हैरतअंगेज एयरोबेटिक स्टंट्स देखे जा सकेंगे। रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरे होने पर सरकार ने इस आयोजन को 'रजत जयंती राज्योत्सव' के रूप में रखा है। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह एयर शो छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष की विकास यात्रा व उपलब्धियों को समर्पित प्रतीकात्मक आयोजन होगा। वायु सेना की सूर्यकिरण टीम अपने सटीक समन्वय और साहसिक हवाई करतबों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। रायपुर में इससे पहले यह टीम 2009 में बूढ़ातालाब के ऊपर एयर शो कर चुकी है।

सुरक्षा और यातायात की विशेष व्यवस्था : नवा रायपुर प्रशासन, विमानन विभाग और पुलिस संयुक्त रूप से कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हैं। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ नियंत्रण, पार्किंग और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को मुख्य पार्किंग स्थल बनाया गया है। सेंध तालाब के किनारे व्यूइंग जोन, सुरक्षा बैरिकेड और एयरक्राफ्ट हैंगर तैयार किए जा रहे हैं।

तीन नवंबर को पहुंचेगी सूर्यकिरण की टीम : भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण टीम तीन नवंबर को रायपुर पहुंचेगी। इसके अगले दिन चार नवंबर को सेंध तालाब के ऊपर रिहर्सल शो होगा। इस मौके पर शहर के स्कूलों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि वे करीब से वायु सेना के जांबाज पायलटों के करतब देख सकें।

समाजवादी महिला नेत्री कीर्ति कोल का जन्मदिन सादगीपूर्ण ढंग से मनाया गया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

मिजार्पुर, 22 अक्टूबर। छानबे विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी एवं जिला पंचायत सदस्य कीर्ति कोल का जन्मदिन समाजवादी पार्टी कार्यालय, लालगंज में सादगी से मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय नेताओं ने माल्यार्पण कर बधाई दी और उनके दीघार्यु होने की कामना की।

विधानसभा अध्यक्ष शोकीम अहमद झल्लू ने कहा कि कीर्ति कोल अपने पिता, पूर्व सांसद-पूर्व विधायक स्व. भाई लाल कोल के पदचिह्नों पर चल रही हैं। हरि शंकर यादव ने कहा कि उनमें अपने पिता के संस्कार झलकते हैं।

कीर्ति कोल ने समाजवादियों और जनता का आभार जताते हुए कहा कि वह अपने पिता के अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समारोह में रविन्द्र कोल, सुरेन्द्र देव त्रिपाठी, शकील अहमद, संतोष पाण्डेय पिंटू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटाखे के लिए लड़की से मारपीट, मना करने पर बुजुर्ग की चाकू गोद कर हत्या

राष्ट्र संवाद ब्यूरो कमाल अहमद

दिवाली के दिन बुजुर्ग की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई

भिलाई:- दीपावली की खुशी के बीच एक दर्दनाक घटना ने पूरे परिवार को शोक में डाल दिया। दरअसल, भिलाई में दिवाली के दिन स्थानीय निवासी बुजुर्ग पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना इतनी भयावह थी कि बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पूरा मामला छावनी थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की है। बैरागी मोहल्ला में रहने वाले गणेश बैरागी (65) फेरीकर खिलौना और फुग्गा बेचता था। रात में वह अपने घर पहुंचा और खाना खाने जा रहा था। उसी दौरान नशे में धुत आरोपी संजय और शुभम मोहल्ले की एक लड़की से फटाखा को लेकर विवाद कर लिए। दोनों उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट मत करों और उसे माफ कर दो

लड़की अपनी जान बचाकर गणेश के घर में घुस गई। गणेश ने उन दोनों नशेड़ियों से हाथ जोड़कर बोला कि पटाखा को लेकर मारपीट मत करों और उसे माफ कर दो, लेकिन नशे में धुत संजय और शुभम मिलकर चाकू से गणेश पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके भाग गए। वारदात के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है। पड़ोसियों और परिवारजनों का कहना है कि दिवाली की रात इस तरह का हादसा किसी के भी लिए सहन करना मुश्किल है। लोगों ने प्रशासन और पुलिस से न्याय की मांग की है।

रात में ही पकड़े गए आरोपी

टीआई ने बताया कि घटना के बाद तत्काल टीम गठित की। आरोपी संजय और शुभम को दबोच लिया। दोनों आरोपी घटना के बाद फरार हो गए थे। चाकू को फेंक दिया था। आरोपियों के निशानदेही पर चाकू बरामद की गई। हत्या के प्रकरण में मामला दर्ज कर कोर्ट भेजा जा रहा है।

त्योहारों पर भीड़ के मद्देनजर पूसीरे विभिन्न मार्गों पर चला रहा 48 फेस्टिव स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी,एजेंसी। दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को समायोजित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) सितंबर से दिसंबर तक विभिन्न मार्गों पर 48 फेस्टिव स्पेशल ट्रेनों के कुल 613 फेरों का संचालन कर रहा है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि ये स्पेशल ट्रेनें कटिहार, सोनपुर, दौरम मधेपुरा, अगरतला, न्यू तिनसुकिया, एसएमवीटी बेंगलुरु, अमृतसर, पटना, डिब्रूगढ़, गोरखपुर, सिलचर, कोलकाता, गुवाहाटी, रांची, चर्लपल्ली, मुंबई सेंट्रल, आगरा कैंट, जोगबनी, शालीमार और कामाख्या जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ रही हैं। परिचालन व्यवहार्यता और मौजूदा मांग के अनुसार ये रेल सेवाएं दैनिक, साप्ताहिक, त्रिसाप्ताहिक या विशिष्ट कार्यदिवसों पर प्रदान की जा रही हैं। इन विशेष ट्रेनों के चलने से पूर्वोत्तर, उत्तर बंगाल और बिहार जैसे विभिन्न क्षेत्रों से आने-जाने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।

देश में 8.82 लाख आदेश अधर में, सुप्रीम कोर्ट ने जताई गहरी नाराजगी; कर्नाटक हाईकोर्ट से जवाब तलब

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की सर्वोच्च अदालत ने देशभर में लंबित पड़े 8.82 लाख से ज्यादा निष्पादन याचिकाओं (अदालती आदेशों को लागू करवाने के लिए दायर याचिकाएं) पर सख्त नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि ये स्थिति बेहद निराशाजनक और चिंताजनक है।

क्या हैं निष्पादन याचिकाएं: जब किसी नागरिक विवाद में अदालत कोई फैसला दे देती है और हारने वाला पक्ष उस आदेश को मानने से इनकार कर देता है, तब विजेता पक्ष अदालत में निष्पादन याचिका दायर करता है ताकि आदेश लागू हो सके। यानी यह प्रक्रिया अदालत के आदेश को जमीन पर उतारने की होती है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी : जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने कहा, अदालत का आदेश अगर वर्षों तक लागू ही न हो सके, तो फिर ऐसे आदेश का कोई मतलब नहीं रह जाता। यह न्याय का मजाक बन जाएगा। अदालत ने बताया कि कुल 8,82,578 निष्पादन याचिका लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अटके हुए हैं। कोर्ट ने सभी हाईकोर्टों से कहा कि वे जिला अदालतों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दें ताकि पुराने मामलों को जल्द निपटाया जा सके।

कर्नाटक हाईकोर्ट पर नाराजगी : कर्नाटक हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को जरूरी आंकड़े नहीं भेजे। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि रजिस्ट्रार जनरल दो हफ्तों में जवाब दें कि जानकारी क्यों नहीं दी गई। 6 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी हाईकोर्ट सर्कुलर जारी करें। निष्पादन याचिका छह महीने में निपटाई जाएं। अगर कोई देरी होती है तो संबंधित जज जिम्मेदार माने जाएंगे। कोर्ट ने मामला 10 अप्रैल 2026 को दोबारा सुनने का समय तय किया है। तब तक सभी हाईकोर्ट को लंबित और निपटाए गए मामलों के पूरे आंकड़े देने होंगे।

क्या है पूरा मामला: तमिलनाडु के अय्यावू उदयार ने 1980 में जमीन खरीदने का समझौता किया था। 1986 में केस दाखिल हुआ। 2004 में कब्जा नहीं मिला।

ओला के संस्थापक भावेश अग्रवाल समेत कई अफसरों पर केस दर्ज, इंजीनियर ने सुसाइड नोट में लगाए थे कई आरोप

बंगलूरू,एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भावेश अग्रवाल और कंपनी के कई वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ 38 वर्षीय इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में बंगलूरू पुलिस ने केस दर्ज किया है। मृतक इंजीनियर अरविंद ने अपने सुसाइड नोट में कंपनी के अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और वेतन रोकने के गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अरविंद 2022 से कोरमंगला स्थित ओला इलेक्ट्रिक में होमोलोगेशन इंजीनियर के तौर पर कार्यरत थे। उनके भाई अश्विन कन्नन ने पुलिस में शिकायत दी कि 28 सितंबर को अरविंद ने अपने चिकलासंद्रा स्थित फ्लैट में आत्महत्या की कोशिश की थी। उन्हें महाराजा अग्रसेन अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस

को उनके कमरे से 28 पन्नों का एक हस्तलिखित सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने अपने वरिष्ठों पर लगातार कार्यस्थल पर उत्पीड़न और वेतन-भत्ते रोकने का आरोप लगाया।

मौत के बाद खाते में भेजे गए 17 लाख रुपये : शिकायत में बताया गया है कि अरविंद की मौत के दो दिन बाद, 30 सितंबर को उनके बैंक खाते में 17.46 लाख रुपये एनईएफटी के जरिए ट्रांसफर किए गए। परिवार ने इसे संदिग्ध बताते हुए कहा कि यह राशि मृत्यु के बाद भेजी गई और संभवतः कंपनी की ओर से आंतरिक कमियों को छिपाने का प्रयास था। जब परिवार ने इस बारे में कंपनी से जवाब मांगा, तो उन्हें अस्पष्ट उत्तर मिले। एफआईआर को कर्नाटक हाईकोर्ट में चुनौती ओला इलेक्ट्रिक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उन्होंने में चुनौती दी है।

तकनीकी खराबी के बाद गुवाहाटी लौटा एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737 मैक्स 8, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली,एजेंसी। असम के गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान सोमवार को तकनीकी खराबी आने के बाद गुवाहाटी वापस लौट गई। समस्या को ठीक करने के बाद विमान को दोबारा रवाना किया गया और यह शाम को सुरक्षित डिब्रूगढ़ पहुंच गया। हालांकि, एयरलाइन कंपनी की तरफ से अब तक गड़बड़ी की जानकारी साझा नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, बोइंग 737 मैक्स 8 विमान ने गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोपहर 12:20 बजे उड़ान भरी थी और इसे 1:25 बजे डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर उतरना था। हालांकि, लैंडिंग से ठीक पहले पायलटों ने विमान के एक पंख से संबंधित एवीऑनिक्स प्रणाली में समस्या देखी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल गुवाहाटी लौटने का निर्णय लिया।

केरल में मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, इन चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल में तेज बारिश और आंधी-तूफान ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। कई जिलों में जलभराव, पेड़ गिरने और बिजली गिरने की घटनाएं सामने आईं। तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड, कन्नूर और त्रिशूर जैसे इलाकों में भारी नुकसान हुआ। मौसम विभाग ने चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि शेष हिस्सों में येलो अलर्ट है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

मूसलाधार बारिश से तिरुवनंतपुरम-तेनकासी रोड पर जलभराव, यातायात बाधित : सोमवार को केरल के कई हिस्सों में सोमवार को रुक-रुककर तेज बारिश और तेज हवाएं चलने से जनजीवन प्रभावित हुआ। इससे जलभराव, पेड़ उखड़ने और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं देखने को मिलीं। दक्षिणी तिरुवनंतपुरम और उत्तरी कोझिकोड और कन्नूर जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में पूरे दिन भारी बारिश और बादल छाए रहे। लगभग एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से तिरुवनंतपुरम-तेनकासी रोड पर पानी भर गया और पलोडे की एलावट्टम रोड पर भी शाम को जलजमाव के कारण यातायात बाधित हुआ।

आकाशीय बिजली गिरने से घरों को नुकसान : कन्नूर में बाढ़ का पानी कुछ घरों और दुकानों के परिसर में घुस गया। जिले में भारी बारिश के चलते एक घर पर दीवार गिरने की भी खबर है। त्रिशूर जिले के माला और एर्नाकुलम के एलंजी में आकाशीय बिजली गिरने से घरों को नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन घटनाओं में दीवारों में दरारें आ गईं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो गए। त्रिशूर के पल्लिपुरम में एक घर पर पेड़ गिरने से एक परिवार बाल-बाल बच गया।

इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी: इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एर्नाकुलम, इडुक्की, मलप्पुरम और कोझिकोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। शेष जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भारी बारिश को देखते हुए भूस्खलन, मलबा गिरने और फ्लैश फ्लड की संभावनाओं वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित होने की सलाह दी है।

लोगों को तट छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश : नदियों के किनारे और बांधों के नीचे के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी समय रहते अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। आईएमएडी के अनुसार, ऑरेंज अलर्ट का मतलब होता है 11 से 20 सेमी तक की बारिश, जबकि येलो अलर्ट का मतलब 6 से 11 सेमी तक बारिश होता है।

बीएसएफ जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर मनाई दीपावली

चंडीगढ,एजेंसी। देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ अपने घरों से हजारों किलोमीटर दूर रहकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने अपने कार्य क्षेत्र पर ही दीपावली का पर्व मनाया। सीमावर्ती जिला गुरदासपुर सेक्टर की सीमा पर बीएसएफ कर्मियों के साथ दिवाली मनाई। इस समारोह में बीएसएफ के आईजी अतुल फुलजले बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

इस अवसर पर डीआईजी एवं कमांडेंट ऑफ बटालियन जसविंदर कुमार विरदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में दीप प्रज्वलन, मिठाइयां बांटना, आतिशबाजी और एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके बाद सीमा पर तैनात जवानों के साथ रात्रि भोज का आयोजन किया गया। महानिरीक्षक ने त्योहारों के दौरान अपने परिवारों से दूर रहकर राष्ट्र की रक्षा में उनके समर्पण की सराहना की। उनके इस दौरे ने बीएसएफ पंजाब के अधिकारियों और जवानों में उच्च मनोबल और उत्सवी भावना का संचार किया, जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कर्तव्य, परंपरा और सौहार्द के प्रति बल की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डकैती के मामले में बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले गिरफ्तार

मुंबई,एजेंसी। गुजरात पुलिस ने सूरत में दर्ज डकैती के एक मामले में महाराष्ट्र पुलिस के बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले को लातूर से गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने रविवार रात रंजीत कासले को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल की शुरुआत में कासले को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल रंजीत कासले ने आरोप लगाया था कि उन्हें पिछले साल बीड सरपंच हत्याकांड के मुख्य संदिग्ध वाल्मीक कराड की हत्या की सुपारी दी गई थी।

सूरत के लुटेरों को मदद पहुंचाने का आरोप : कासले के खिलाफ सूरत के पास पाल पुलिस स्टेशन में डकैती का एक मामला दर्ज किया गया था। लातूर पुलिस की अपराध शाखा के निरीक्षक सुधाकर बावकर ने बताया कि गुजरात पुलिस की टीम लातूर पहुंची और रविवार रात लगभग 10:30 बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सूरत डकैती मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य संदिग्धों ने पूछताछ के दौरान कासले की कथित संलिप्तता के बारे में बताया कि किस तरह से कासले ने लुटेरों के गिरोह की मदद की थी।

भाजपा प्रत्याशी रजनीश कुमार के समर्थन में आए बागी ललन कुंवर

केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में नाम हुई वापसी , निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में आए थे मैदान में

बेगूसराय/ राष्ट्र संवाद ब्यूरो

तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के बागी प्रत्याशी ललन कुंवर ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। बड़े नेताओं के साथ हुई बैठक के बाद ललन कुंवर ने नाम वापसी का निर्णय लिया । सोमवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तेघड़ा पहुंचे। और अनुमंडल कार्यालय पहुंचकर ललन कुंवर ने अपना नाम वापस लिया। बीजेपी प्रत्याशी रजनीश कुमार को समर्थन दिया है।

गिरिराज सिंह ने बताया कि ललन कुंवर भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे हैं। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारीयों और कार्यकताओं के आग्रह पर अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसके लिए ललन कुंवर का धन्यवाद। अब तक पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। पार्टी और गठबंधन के हित में उन्होंने जो निर्णय लिया, सराहनीय है।

पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा रहेंगे

नाम वापसी के उपरांत बाहर निकलने पर श्री कुंवर का केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह , कृष्णनंदन सिंह, सुनील सिंह, मनोहर कुमार आदि उपस्थित दर्जनों नेताओं ने उन्हें माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। ललन कुंवर ने कहा कि

तेघड़ा की जनता ने जो हमें स्नेह , आशीर्वाद, और समर्थन दिया है वह मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। मैं भी बीते दिनों जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में तेघड़ा विधानसभा से मैदान में उतरा था लेकिन। गृह मंत्री अमित शाह और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने आत्म प्रेम दिखाया। नामांकन के बाद मेरे आवास पर सैकड़ो भाजपा कार्यकताओं के आत्मीय स्नेह और आग्रह पर पटना में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में संगठन की एकता और बिहार के उज्जवल भविष्य के लिए सामूहिक निर्णय के साथ नामांकन वापस करने का निर्णय लिया।

मैं संगठन की मयार्दा और गठबंधन की भावनाओं को सर्वोपरी रखते हुए अपना नामांकन वापस करने का निर्णय लिया है। पूरी निष्ठा ऊर्जा और समर्पण के साथ एनडीए गठबंधन की जीत तथा तेघड़ा विधानसभा के विकास के लिए कार्य करता रहूंगा।

अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार के समक्ष नाम वापसी के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, भाजपा नेता कृष्णनंदन सिंह ,सुनील कुमार सिंह, जदयू नेता अमरजीत राय, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनोहर कुमार, शालिनी देवी, राजेश कुमार गुड्डू, दीपक राय, अनुराग प्रताप सन्नी सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद थे। ललन कुंवर 2010 में भाजपा से विधायक चुने गए थे। इस बार जब टिकट नहीं मिला था तो 17 अक्टूबर को उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन कर दिया था। उसके बाद राजनीतिक हलचल मची हुई थी । नामांकन दाखिल करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने फोन किया और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नाम वापसी के लिए लगातार प्रयास किया।

कार्यकर्ता खुद को प्रत्याशी समझ कर लड़ता है चुनाव: गिरिराज सिंह

बेगूसराय/ राष्ट्र संवाद ब्यूरो

तेघड़ा में भाजपा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

143 विधानसभा तेघड़ा अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के चुनावी कार्यालय का मंगलवार को तेघड़ा नेशनल हाईवेज 28 स्टेशन रोड, नगर परिषद कार्यालय के पास केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के साथ भाजपा प्रत्याशी रजनीश कुमार ने सैकड़ो कार्यकर्ताओ की उपस्थिति में फीता काट कर किया। इस मौके पर नेताओं ने कहा कि इस समय पूरे बिहार में भाजपा के पक्ष में माहौल है। मुख्यमंत्री नीतीश की गारंटी पर लोगो को पूर्ण विश्वास हैं। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि बिहार में डबल इंजन की

सरकार के लिए आगामी 6 नवंबर को भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल छाप पर बटन दबाकर उन्हें भारी मतों से विजयी बनांगे।

कार्यकर्ता खुद को प्रत्याशी समझ कर लड़ता है चुनाव: गिरिराज सिंह

इस मौके केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता खुद को प्रत्याशी समझ कर चुनाव लड़ता है। उन्होंने कहा कि भाजपा में प्रत्याशी नहीं पार्टी चुनाव लड़ती है। व्यक्ति विशेष नहीं कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है कार्यकताओं के बलबूते पर ही चुनाव लड़े जाते हैं। आज से चुनावी लड़ाई शुरू हो गई है सभी घटक दल के कार्यकर्ता रजनीश कुमार के लिए कमर कास लें।

विपक्ष पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार की जनहितैषी योजनाओं के चलते बिहार विकसित बिहार के रास्ते पर है। उन्होंने विपक्ष विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में भी विपक्ष अपनी पहचान तथा विश्वसनीयता खो चुकी है। तेघड़ा विधानसभा में भी इस बार कमल खेलेगा ऐसा उन्हें विश्वास है। कमल के निशान पर चुनाव लड़ रहे हैं कमल निशान ही हमारा प्रत्याशी है। मौके पर जिला अध्यक्ष राजीव वर्मा, पूर्व विधायक ललन कुंवर, जिला उपाध्यक्ष सुनील सिंह,भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्णनंदन सिंह, जदयू प्रदेश नेत्री रीना चौधरी, प्रवक्ता राजेश कुमार गुड्डू, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनोहर कुमार, नगर मंडल अध्यक्ष श्याम किशोर छोटे, महिला नेत्री शालिनी देवी, अरुण सिंह, लोजपा के प्रखंड अध्यक्ष ब्रह्मदेव पासवान सहित दर्जनों नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वराज के प्रथम मंत्र दृष्टा एवं सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे महर्षि दयानंद

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बीहट /बेगूसराय महर्षि दयानंद सरस्वती का 142वाँ निर्वाण दिवस आर्य समाज मंदिर बारो में मनाया गया।इस मौके पर आयोजित वृहत देवयज्ञ में आचार्य राघवेंद्र आर्य ने कहा कि सन्यासी दयानंद ने दिवाली के दिन ही अपने शरीर का त्याग करते हुए कहा था कि ईश्वर तेरी इच्छा पूर्ण हो। वे स्वराज के प्रथम मंत्र दृष्टा एवं सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे।उनकी प्रेरणा से अमर शहीद भगत सिंह के दादाजी,चंद्रशेखर आजाद सहित सैकड़ों आर्यसमाजियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी बलिदानी दी।मौके पर आचार्य अरुण प्रकाश आर्य,आचार्य भूपेंद्र आर्य,आचार्य गोविंद आर्य,प्रधान रविन्द्र आर्य,सुधीर आर्य,संतोष आर्य,रजनीश आर्य आदि ने भी सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने का प्रयास करने वाले महर्षि दयानंद के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वामी जी को श्रद्धांजलि आहुति दी।

भगवानपुर में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भगवानपुर/ बेगूसराय भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव के वार्ड संख्या 2 में दीपावली की रात लगी आग में लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। बताया जाता है कि आग इतनी भीषण थी कि घर में रखे गोदरेज में बंद कपड़े, आभूषण, चांदी के बर्तन, दीवान, कूलर, तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर राख हो गए।

अनुमान के अनुसार, करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों और अग्निशमन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर का सारा सामान खाक हो चुका था।

पीड़िता राधा कुमारी, जो स्वर्गीय विभूति भूषण सिंह (भगवानपुर निवासी) की पत्नी और पेशे से शिक्षिका हैं, ने बताया कि रात करीब ढाई बजे जब वह उठीं तो घर से धुआं निकलता देखा। उन्होंने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर सुबह लगभग 5:30 बजे तक आग पर नियंत्रण पा सकी।

श्रीमद्भागवत कथा में कार्तिक कल्पवास पर हुई विस्तार पूर्वक चर्चा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बीहट /बेगूसराय श्रीमद् भागवत कथा और कार्तिक कल्पवास महात्म के बारे में विस्तार पूर्वक लक्ष्मणानंद ने भी बताया जो आत्मा सबका स्वामी है। सर्वथा मुक्ति स्वरूप है। वहीं दीनता और बंधन को प्राप्त करता है । यह बात युक्ति विरुद्ध है। लेकिन कहा गया है कि इस संसार में दो ही प्रकार के लोग सुखी हैं। अत्यंत मूढ़ नहीं तो अत्यधिक बुद्धिमान जो भगवान को प्राप्त कर चुके हैं। आचरण के अनुसार स्वभाव वर्णाश्रम का विभाग ऋषियों के जन्म कर्म आदि वेदों का विभाग यज्ञों के विस्तार योग का मार्ग ज्ञान मार्ग और उसका साधना सांख्यमार्ग तथा भगवान के कहे हुए नारद पांच रात्र आदि तंत्र शास्त्र विभिन्न पाखंड मार्गो से होने वाली विषमता नीच लोग कभी भी सनातन के बारे

में नहीं जान सकते। सभी धर्म और कर्म की सिद्धि तभी प्राप्त होती है जब सेवा भावी होते हैं। सेवा किए बिना कोई भी धर्म सिद्ध नहीं होता इसलिए हमें सबसे पहले सेवा ही करनी चाहिए। धर्मावलंबी इस घोर कलयुग में अपने गोत्र के बारे में भी नहीं जानते कहा गया है की गोत्र सनातन धर्म में एक सामाजिक और वंशानुगत पहचान की प्रणाली है। ब्राह्मण किसी न किसी ऋषि की ही संतान है। इस प्रकार जो जिस समाज जिस ऋषि से प्रारंभ हुआ वह ऋषि उस समाज का गोत्र कहलाता है। कहा गया है कि कालांतर में जब वर्ण व्यवस्था से जातियां अलग हुई तो कुछ जातियां अपने पूर्वजों के नाम से गोत्र कहने लगे।जैसे जिंदल मित्तल इत्यादि, गो का अर्थ गाय, और त्र का अर्थ रक्षा करने वाला होता है। एक मत के अनुसार ब्राह्मण का गोत्र वैदिक काल के सप्त ऋषियों के वंशों या मूल गोत्रों से संबंधित होता है। जैसे अंगिरा से अंगिरस,भृगु से भार्गव अत्रि सेआत्रेय कश्यप से कश्यप वशिष्ठ से वाशिष्ठ अगस्त से आगस्त और कुशिक से कौशिक गोत्र का नामकरण हुआ है । कहा गया है कि सृष्टि के प्रारंभ काल में ब्रह्मा जी ने सर्वप्रथम संकल्प सृष्टि के द्वारा चार कुमारों को सप्त ऋषियों को और चार वर्णों को बाद में मिथुन सृष्टि हेतु अपने दाएं अंग से मनु और बाएं अंग से शतरूपा की सृष्टि किया। संकल्प सृष्टि के द्वारा ब्रह्मा के मुख से ब्राह्मण की उत्पत्ति हुई। उक्त ब्रह्म ऋषि के दो पुत्र हुए एक का नाम गौड़ और दूसरे का नाम द्रविड़ अभी भी आप देखिएगा।इन दोनों का विंध्याचल पर्वत के क्रमशः दक्षिण व उत्तर का भूभाग इन्हीं के नाम से विख्यात है। मौके पर रविंद्र ब्रह्मचारी मीडिया प्रभारी नीलमणि सनातन श्याम, राम झा, लक्ष्मण झा,पीतांबर झा,रतिकांत कुंवर ताराकांत कुंवर,सोहन सहनी, बृजभूषण चौधरी,श्री मोहन झा,विद्यानंद कुंवर,नंदकिशोर पोद्दार, सुरेश झा, आदि उपस्थित थे।

खोदावंदपुर में काली पूजा को लेकर गाजेबाजे के साथ निकाली गयी कलश शोभायात्रा, श्रद्धालुओं में दिखा गजब का उत्साह

राष्ट्र संवाद संवाददाता
राजेश कुमार

खोदावंदपुर/बेगूसराय। मां वैष्णवी काली पूजा समिति खोदावंदपुर के द्वारा गाजेबाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी, जो शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल से मुसहरी, खोदावन्दपुर गांव का भ्रमण करते हुए बेगूसराय- रोसड़ा मुख्य पथ एस एच 55 से सीमान चौक, सर्किल चौक, तारा चौक से फफौत पुल के रास्ते बूढ़ीगंडक नदी के नरहन घाट पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरा गया. उसके बाद पुनः कलश शोभायात्रा गाजेबाजे के साथ उसी रास्ते से गांव का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचकर संपन्न हो गया. शोभायात्रा में 351 कलशधारियों ने भाग लिया. इस कलश शोभायात्रा के सफल आयोजन में खोदावंदपुर के पूर्व मुखिया राम पदार्थ महतो, सरपंच प्रतिनिधि धर्मेन्द्र कुमार, फफौत पंचायत के पूर्व मुखिया अनिल कुमार, सरपंच दिलदार हुसैन, पंसस प्रतिनिधि नवीन कुमार धर्मा, शिक्षक अवनीश कुमार वर्मा, ग्रामीण जवाहर महतो, सीताराम महतो, सरोज कुमार, राजेश कुमार, रवीन्द्र कुमार, महेश महतो, नीरज कुमार समेत अनेक लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण रही. इसकी जानकारी देते हुए कार्यक्रम के आयोजक सह मां वैष्णवी काली पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि चार दिवसीय काली पूजा का आयोजन किया गया है, इसमें प्रतिदिन सुबह में चण्डी हवन यज्ञ किया जायेगा और रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया जायेगा. इसमें किशोरी जी के द्वारा भजन कीर्तन किया जायेगा. इसके अलावे गांव के युवा कलाकारों के द्वारा नाटक का मंचन भी किया जायेगा. इस चार दिवसीय कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह है. लोगों का कहना है कि इस काली मंदिर में पूजा अर्चना करने से मनोरथ पूर्ण होता है. यहां दूर-दराज से लोग आते हैं. शोभायात्रा में पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक व राजनीतिक दलों के कार्यकताओं सहित खोदावंदपुर अपर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस बल भी तैनात थे.

बिहार केसरी श्री कृष्ण सिंह की जयंती मनी, जयंती पर कांग्रेसियों ने लिया कई महत्वपूर्ण निर्णय

बेगूसराय/ राष्ट्र संवाद ब्यूरो

मंगलवार को कांग्रेस भवन बेगूसराय में जिलाध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन की अगुआई में विस्तारित बैठक बुलाई गई।

विधानसभा चुनाव 2025 पर चर्चा एवं बिहार केसरी डॉ.श्री कृष्ण सिंह के जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बिहार कांग्रेस द्वारा द्वारा मटिहानी सीट नहीं दिए जाने के विरुद्ध कार्यकताओं में जबरदस्त आक्रोश देखा गया।

बैठक में उपस्थित सभी जिला कांग्रेस कमिटी के उपस्थित पदाधिकारी गण उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष गण, मंडल अध्यक्ष गणों ने अपना इस्तीफा सौंपा।

बैठक के दरम्यान ही बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लाबरू से वार्ता के उपरांत जिलाध्यक्ष द्वारा काफी समझाने बुझाने के बाद भी कार्यकर्ता अपनी बात पर अड़े रहे।

बाद में उपस्थित सभी लोगों ने अंतिम निर्णय के लिए जिलाध्यक्ष को अधिकृत किया।

बैठक में बेगूसराय और बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार क्रमशः अमिता भूषण एवं शिवप्रकाश गरीबदास को जिताने का निर्णय लिया गया।

बैठक में रामविलास सिंह शशिशेखर राय महेश सिंह सुबोध कुमार मुरलीधर मुरारी राजदेव पासवान मुकेश कुमार गुड्डू सुबोध प्रसाद सिंह संजय सिंह राजीव रंजन सिंह ,अनिल कुमार, सिंह सुनील सिंह, मो. मतीन, सुरेंद्र प्रसाद सिंह, रामचंद्र सिंह, उदय कुमार सिंह ,रामानुज कुंवर , ब्रजेश कुमार प्रिंस, सुरेंद्र प्रसाद सिंह सार्थक कुमार ललन कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

निशा पुजा के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु माता काली का पट खोल दिया गया

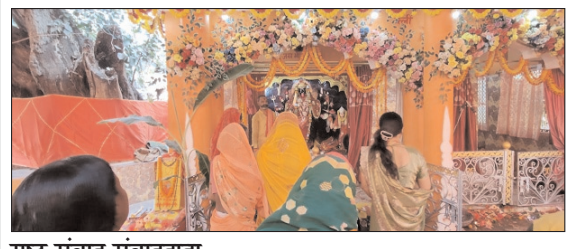

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भगवानपुर /बेगूसराय प्रखंड क्षेत्र के औगान गांव स्थित मां सुभाषिनी शक्तिपीठ काली मंदिर में दिवाली की रात निशा पुजा के उपरांत मां काली का पट श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खोल दिये गये हैं। इसके साथ ही उक्त स्थान में लगने वाला छः दिवसीय मेला भी शुरू हो गया है।पट खुलने के बाद श्रद्धालुओं का माता काली का दर्शन करने हेतु आना जाना भी शुरू हो गया।रविवार को उक्त पुजा को लेकर कुमारी कन्याओं द्वारा भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई थी। उक्त स्थान में 24 अक्टूबर तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उसी दिन कलश विसर्जन के साथ ही मेला का समापन हो जायेगा। कार्यक्रम तथा मेला की सफलता को लेकर पंडित विकास कुमार झा गौतम पुजा समिति के अध्यक्ष पंकज चौधरी सदस्य प्रहलाद चौधरी, टुनटुन चौधरी, रजनीश कुमार, सनातन चौधरी, कुंदन चौधरी सहित अन्य ग्रामीण जुटे हुए हैं।

युवा शक्ति प्रतियोगिता परीक्षा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

खोदावंदपुर,बेगूसराय। खोदावंदपुर पंचायत के मुसहरी ग्राम में युवा शक्ति के सौजन्य से एक भव्य प्रतियोगिता परीक्षा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा. इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्र व छात्रा के अलावे विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा भी शामिल हो सकते हैं. युवाओं में प्रतियोगिता की भावना, आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति रुचि को बढ़ाना, साथ ही आने वाले बड़े प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा. यह कार्यक्रम आगामी 22 अक्टूबर बुधवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुसहरी में किया जायेगा. इस कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को आगामी 25 अक्टूबर 2025 को पुरसकृत भी किया जायेगा. इस कार्यक्रम में कविता, नृत्य, संगीत, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जायेगा. छठ पूजा के शुभ अवसर पर आगामी 27 अक्टूबर की शाम किशोरी जी के मुखारविन्द से भजन का होना भी निश्चित किया गया है.

65वीं वाहिनी शहींदों के सम्मान में मनाया पुलिस स्मृति दिवस

बगहा ,। 65वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बगहा के प्रांगण में शहींदों के सम्मान में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। जिसमें विगत वर्ष के दौरान 01 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच पुलिस बल तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजली दी गई तथा पुष्पांजलि अर्पित की गई ।

इस कार्यक्रम में नंदन सिंह मेहरा, कमांडेंट 65 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के साथ ही कोजाराम लोमरोड़ द्वितीय कमान अधिकारी,नीलकांत, उप कमांडेंट तथा समस्त बल कर्मियों ने शहीदों को श्रद्धांजली दी।वीर शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा शोक शस्त्र परेड कर दो मिनट का मौन धारण किया गया। नंदन सिंह मेहरा कमांडेंट 65वीं वाहिनी एसएसबी ने समस्त वाहिनी कार्मिकों को संबोधित करते हुए पुलिस स्मृति दिवस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला । बताया कि आज के दिन ही वर्ष 1959 में भारत तिब्बत सीमा की सुरक्षा के लिए लद्दाख मे हॉट स्प्रिंग मे सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया था । जब बल के 21 जवानो का गश्ती दल हॉट स्प्रिंग मे गश्त कर रहा था,तभी चीनी फौज के एक बहुत बड़े दस्ते ने इस गश्ती दल पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया,तब बल के मात्र 21 जवानों ने चीनी आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया जिसमें मातृभूमि की रक्षा करते हुए 10 शूरवीर जवानों ने अपने प्राणो का बलिदान दिया । उन्ही बहादुर जवानो की याद में ये खास दिन मनाना शुरू किया गया।

नंदन सिंह मेहरा कमांडेंट 65वीं वाहिनी ने इस विशेष अवसर पर सभी जवानों से कहा कि एक ईमानदार,निष्ठावान तथा समर्पित पुलिस कर्मी जान की परवाह किये बिना अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़े तो अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटता।देश के वीर पुलिस जवानों का यही जज्बा देश के प्रति सेवा के उनके उच्च दर्जे की समर्पण भावना को दशार्ता है ।साथ ही उन्होंने इस अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजली देते हुए,अमर वीरों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना प्रकट की।

आग से नगद समेत घर में रखे हजारों की संपत्ति राख

बेतिया, । नौतन थाना क्षेत्र के मडुआहां सिहुलिया गांव में मंगलवार की सुबह करीब तीन बजे बिजली के शर्ट सर्किट से लगी आग से मोतीलाल पासवान का घर में रखे नगद समेत हजारों की संपत्ति जलकर राख हो गया।

स्थानीय ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया।गृह स्वामी ने बताया कि वह फल बेचने का व्यापार करता है ।जहां गांव गांव घुमकर वह सेव,केला,अनार आदि फलों को बेचता है। जहां कई फल की बिक्री का तीरपन हजार रुपए घर में रखा था।

बगहा से आप, बसपा सहित 8,रामनगर से 1 और वाल्मीकि नगर से जन सुराज के नारायण प्रसाद का नामांकन रद्द

पश्चिम चम्पारण(बगहा)। बगहा अनुमंडल के वाल्मीकिनगर, रामनगर और बगहा विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। नामांकन प्रक्रिया 20 अक्टूबर को पूरी होने के बाद 21 अक्टूबर मंगलवार को सभी नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की गई। इस दौरान बगहा विधानसभा से 08 और रामनगर से 01 उम्मीदवार का नामांकन रद्द हुआ है।

रामनगर विधानसभा क्षेत्र संख्या-02 से भारतीय जनता पार्टी के नंदकिशोर राम, जन सुराज पार्टी के पप्पू कुमार, निर्दलीय संतोष राम, बहुजन समाज पार्टी के आदित्य कुमार, राकंपा के ललन पासवान, राजद के सुबोध पासवान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के वशिष्ठ पासवान, निर्दलीय अंगद कुमार और जन सुराज के पप्पू यादव के नामांकन स्वीकृत हुए हैं।बगहा विधानसभा क्षेत्र संख्या-04 से भाजपा के राम सिंह, कांग्रेस के जयेश मंगलम सिंह, आजाद समाज पार्टी के महफूज आलम, जन सुराज पार्टी के नंदेश पांडेय उर्फ चुन्नू पांडेय, राइट टू रिकॉल पार्टी के राहुल तिवारी, निर्दलीय दिनेश अग्रवाल और भारत जन जागरण दल के शैलेश कुमार चौधरी चुनावी मैदान में हैं तो वही भाजपा से इस्तीफा देकर बगहा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय मैदान में उतरे भूप नारायण यादव का नामांकन भी रद्द कर दिया गया है।

पंजीयन संख्या :JHAHIN01092 स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक व संपादक देवानंद सिंह द्वारा अमन प्रिंटर , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर - 3 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर -3 झारखंड से प्रकाशित ।फोन : 0657 - 2341060 /2344002 मो:09431179542 /09102339999 / 07739802044 / 09334823893

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान :

केशव महाराज के नाम 7 विकेट, मेजबान 333 रन पर ढेर

नई दिल्ली । पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा। इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला। शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था।

यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए। 246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। शेष 1 विकेट तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अपने नाम किया। पाकिस्तान ने दो मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच 93 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। ऐसे में मेजबान टीम की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 1-1 से ड्रॉ करवाने की कोशिश करेगी।

एशेज सीरीज की तैयारी में जुटे स्टीव स्मिथ, स्ट्रेंथ टेस्ट के नतीजे रहे शानदार

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के मुताबिक वह एशेज सीरीज से पहले अपनी तैयारियों को और मजबूत बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने बताया है कि उनके स्ट्रेंथ टेस्ट के नतीजे अब तक के सबसे शानदार रहे हैं।36 वर्षीय स्मिथ विपक्षी टीम को आगाह करते हुए बता चुके हैं कि घरेलू मैदान पर बिजी शेड्यूल के मद्देनजर उनकी अपनी फिटनेस चरम पर है। फॉक्स स्पोर्ट्स के हवाले से स्मिथ ने कहा, मैं बेहद कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं। काफी वजन उठा रहा हूं। खुद को मजबूत बनाने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने बीते दिन अपने सभी स्ट्रेंथ टेस्ट किए और उनके नतीजे अब तक के सबसे अच्छे रहे हैं। मुझे लगता है कि मैं एक शानदार समर सीजन के लिए तैयार हूं।

स्मिथ ने अगस्त में समाप्त हुए द हंड्रेड के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। स्मिथ पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क से लौटे, जिसके बाद उन्होंने तीन नेट सेशन किए हैं। वह अगले महीने होने वाली एशेज की तैयारी शुरू करने के लिए मंगलवार को पहली बार गेंदबाजों का सामना करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से एशेज सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पर्थ में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिससे पहले स्मिथ दो शेफील्ड शील्ड मुकाबले खेलने की योजना बना रहे हैं। वह अगले हफ्ते ब्रिस्बेन में क्वींसलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलने के बाद नवंबर में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर विक्टोरिया के खिलाफ मैच में उतर सकते हैं।

न्यू साउथ वेल्स के इस खिलाड़ी ने मानसिक थकान की चिंता की वजह से अपने ग्रीष्मकालीन सत्र की शुरुआत स्थगित कर दी है। स्मिथ का लक्ष्य पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले खुद को यादा थकाने से बचाना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस फैसले का समर्थन किया है।

स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि अब मैं पहले की तुलना में मानसिक रूप से जल्दी थक जाता हूं। मैं जानता हूं कि अगर मैं सीजन की शुरुआत में यादा मैच खेलता हूं, तो गर्मियों के अंत तक मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। निश्चित रूप से इसमें संतुलन जरूरी है, लेकिन अब मुझे खेल की गति पकड़ने में अधिक समय नहीं लगता। मैं कोशिश करता हूं कि जितना हो सके, मानसिक रूप से तरोताजा बना रहूं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम में तख्तापलट, मोहम्मद रिजवान से छिनी वनडे की कप्तानी

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान से वनडे फॉर्मेट की कप्तानी छीन ली है। शाहीन अफरीदी को इस टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अचानक हुए इस बदलाव के पीछे की वजह नहीं बताई है।इससे पहले, शाहीन अफरीदी जनवरी 2024 में न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 फॉर्मेट में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की कमान संभाल चुके थे, लेकिन उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उस दौरे पर पाकिस्तान को 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अफरीदी से टीम की कमान छीन ली गई थी। बतौर कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 20 वनडे मैच खेले, जिसमें 9 मुकाबलों में उन्हें कामयाबी मिली, जबकि 11 मैच में टीम को शिकस्त झेलनी पड़ी। कप्तान के तौर पर रिजवान ने वनडे फॉर्मेट की 18 पारियों में 41.66 की औसत के साथ 625 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने कराची में साउथ अफ्रीका के विरुद्ध नाबाद 122 रन बनाए।

दूसरी ओर, बाएं तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पाकिस्तान की ओर से 66 वनडे मुकाबलों में 24.28 की औसत के साथ 131 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 3 बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट अपने नाम किए हैं।

फिलहाल पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ रावलपिंडी में दूसरा टेस्ट मैच खेल रही है। मुकाबले के पहले दिन के खेल के बाद पीसीबी ने नए कप्तान की घोषणा की है। मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी इस मुकाबले का हिस्सा हैं।

पाकिस्तानी टीम लाहौर में खेले गए पहले टेस्ट मैच को 93 रन से अपने नाम कर चुकी है। ऐसे में मेजबान टीम सीरीज का दूसरा मुकाबला जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेगी।

टेस्ट सीरीज के बाद पाकिस्तान की टीम 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 4-8 नवंबर के बीच दोनों देश इतने ही मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेंगे, जिसमें पाकिस्तानी टीम अपने नए कप्तान के साथ उतरेगी।

टीम इंडिया ने एडिलेड में खेले 15 वनडे मैच, जानिए कैसा है रिकॉर्ड?

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में 23 अक्टूबर को वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाना है, जिसमें टीम इंडिया जीत के साथ सीरीज में बराबरी करना चाहेगी। इस मैदान पर भारत ने अब तक कुल 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 9 मैच अपने नाम किए, जबकि पांच मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान एक मैच टाई रहा।भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 23 दिसंबर 1980 को इस मैदान पर पहला वनडे मैच खेला था, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ 6 रन से जीत दर्ज की। जनवरी 1986 में भारत ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और जीत दर्ज की, जबकि ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा।

दिसंबर 1991 में भारत ने इस मैदान पर कुल दो मैच खेले, जिसमें वेस्टइंडीज को मात देने के बाद एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त झेली। भारत ने 15 मार्च 1992 को इस मैदान पर साउथ अफ्रीका के हाथों 6 विकेट से शिकस्त झेली।

जनवरी 2000 में भारत ने यहां दो मुकाबले खेले। 25 तारीख को उसने पाकिस्तान के खिलाफ 48 रन से मुकाबला जीता, लेकिन अगले ही दिन उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों 152 रन से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी।

24 जनवरी 2004 को भारत ने इस मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 रन से करीबी जीत दर्ज की थी। फरवरी 2008 में भारत ने यहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त झेलने के बाद श्रीलंका को मात दी।

12 फरवरी 2012 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को इस मैदान पर पहली बार हराया। 14 फरवरी को श्रीलंका के विरुद्ध मुकाबला टाई रहा। भारत ने 15 फरवरी 2015 को पाकिस्तान के खिलाफ यहां 76 रन से जीत दर्ज की, जिसके बाद 15 जनवरी 2019 को ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ 6 विकेट से मुकाबला जीता। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी वनडे सीरीज का पहला मैच गंवा चुकी है। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में टीम इंडिया ने 26 ओवरों के खेल तक 9 विकेट खोकर 136 रन बनाए, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 21.1 ओवरों में 131 रन के लक्ष्य को हासिल करते हुए डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 7 विकेट से जीत दर्ज की।

सचिन तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने फैंस को दी दीपावली पर शुभकामनाएं

नई दिल्ली। दीपावली के मौके पर सचिन तेंदुलकर समेत तमाम मशहूर क्रिकेटर्स ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को शुभकामनाएं दी हैं।मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, आपको खुशहाल और सुरक्षित दीपावली की शुभकामनाएं। आनंद लें और अपना ख्याल रखें। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह दीपावली आपके जीवन को शांति, समृद्धि और अनंत खुशियों से भर दे। सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह, आपको और आपके परिवार को शानदार और खुशहाल दीपावली की शुभकामनाएं! रोशनी का यह त्योहार आपके और आपके प्रियजनों के लिए खुशियां और समृद्धि लेकर आए। सुरक्षित और आनंदमय दिवाली मनाएं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने एक्स पोस्ट में लिखा, जैसे रोशनी हर घर को जगमगाए, वैसे ही हर मन में शांति और आनंद का वास हो। सभी को दीपावली की शुभकामनाएं! श्रेयस अय्यर ने लिखा, सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं! आप सभी का जीवन प्रकाश, प्रेम और अनंत आनंद से भरा रहे।

भारतीय टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने लिखा, रोशनी, खुशी और ढेर सारी सकारात्मकता। आप सभी को जगमगाती दीपावली की शुभकामनाएं!

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं! इस पावन पर्व के प्रकाश से सारा अंधकार दूर हो जाए!

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, दीपावली का दिव्य प्रकाश आपके जीवन को शांति, समृद्धि और आनंद से आलोकित करे। आप सभी को उवल और सुंदर दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं!

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब भगवान श्रीराम 14 वर्ष के बाद अयोध्या लौटे, तो नगरवासियों ने दीप जलाकर इसकी खुशी मनाई थी। इस तरह त्रेता युग की पहली दीपावली मनाई गई।

महिला विश्व कप : हार से निराश स्मृति मंधाना, यकीन था कि भारत जीत हासिल करेगा

इंदौर । भारत को महिला विश्व कप 2025 के 20वें मैच में इंग्लैंड के हाथों 4 रन के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा। विश्व कप में लगातार तीसरी हार के बाद भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना जब प्रेस कॉन्फ्रेंस रूम में आईं, तो बेहद निराश थीं।होल्कर स्टेडियम में रविवार को खेले मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 288 रन बनाए। इसके जवाब में टीम इंडिया निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 284 रन ही बना सकी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 94 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 88 रन की पारी खेली, लेकिन टीम जीत दर्ज नहीं कर सकी। मंधाना 41.2 ओवर में लिंसी स्मिथ की गेंद पर कैच आउट हुईं। उस वक्त भारत को जीत के लिए 51 रन की दरकार थी। इंग्लैंड के खेमे में जश्न का माहौल था, लेकिन स्टेडियम में मौजूद भारतीय फैंस खामोश थे। मुकाबले के बाद स्मृति मंधाना ने कहा, सभी के शॉट चयन देखकर लगता है कि हम अपने शॉट चयन में और बेहतर कर सकते थे। खासकर इसकी शुरुआत मुझसे हुई। मैं मानती हूं कि शॉट चयन बेहतर होना चाहिए था। हमें बस प्रति ओवर छह रन की दरकार थी। शायद हमें मैच को और आगे ले जाना चाहिए था। मैं खुद इसकी जिम्मेदारी लेती हूं, क्योंकि विकेट गिरने की शुरुआत मुझसे ही हुई। जब स्मृति आउट हुईं, तो उन्हें यकीन था कि भारत जीत हासिल करेगा। स्मृति ने बताया, मुझे यकीन था कि मैं उनका सामना कर सकती हूं। मैं कवर्स के ऊपर से यादा शॉट लगाने की कोशिश कर रही थी। मैंने उस शॉट की टाइमिंग गलत कर दी। शायद उस समय उस शॉट की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा, मुझे बस और धैर्य रखने की जरूरत थी। पूरी पारी के दौरान मैं खुद को धैर्य रखने और हवाई शॉट न खेलने के लिए कह रही थी। शायद उस पारी में भावनाएं हावी हो गईं, जो क्रिकेट में कभी काम नहीं आतीं। मुझे पूरा भरोसा था कि हम जीत हासिल कर लेंगे, लेकिन यह क्रिकेट है। आप कभी भी बहुत आगे नहीं सोच सकते।

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम को हराया, सीजन का पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीता

लंदन । ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम पर 2-0 की शानदार जीत के साथ सीजन का अपना पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीत लिया है। इस जीत के साथ ब्रेंटफोर्ड ने नूनो एस्पिरिटो सैंटो के कोच बनने के बाद वेस्ट हैम के पहले घरेलू मैच का मजा किरकिरा कर दिया।अपने पिछले तीनों अवे लीग मैच हारने वाली मेहमान टीम शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही थी। इगोर थियागो और सब्स्टीट्यूट मैथियास जेनसन के गोलों की बदौलत ब्रेंटफोर्ड ने जीत दर्ज की, जबकि यह हार वेस्ट हैम को अंकतालिका में 19वें स्थान पर और नीचे धकेल गई। 43वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड ने बढ़त हासिल कर ली। वेस्ट हैम एक लॉन्ग बॉल को क्लीयर करने में नाकाम रहा। केविन शैड ने गेंद को हल्के से इगोर थियागो की दिशा में बढ़ाया, जिन्होंने लो शॉट लगाकर गोल किया। उनके शॉट में अल्फोंस एरीओला के टच के बावजूद गेंद को लाइन क्रॉस कराने की पर्याप्त शक्ति थी।

हाफटाइम से ठीक पहले थियागो ने एक और गोल दागा, जिससे बढ़त दोगुनी होती नजर आई, लेकिन उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया।

यह फैसला इसलिए दिलचस्प रहा, क्योंकि वैश्विक तकनीकी गड़बड़ी के चलते प्रीमियर लीग को अपने सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड सिस्टम को बंद कर पिछले सीजन के मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ा। हाफटाइम पर जब टीमें मैदान से बाहर जा रही थीं, तो वेस्ट हैम के खिलाड़ियों को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा।

चामरी अथापथु ने वनडे में रचा इतिहास, 4 हजार रन पूरे करने वाली पहली श्रीलंकाई महिला

नई दिल्ली। चामरी अथापथु वनडे इतिहास में 4,000 रन पूरे करने वाली पहली श्रीलंकाई महिला बल्लेबाज बन गई हैं। चामरी ने बांग्लादेश के खिलाफ महिला विश्व कप 2025 के 21वें मुकाबले में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 46 रन की पारी खेलते हुए वनडे फॉर्मेट में इस आंकड़े को छुआ है।चामरी अथापथु ने साल 2010 से अब तक अपने वनडे करियर में 120 मुकाबले खेले, जिसमें 35.17 की औसत के साथ 4,045 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 9 शतक और 20 अर्धशतक भी निकले। 17 अप्रैल 2024 को चामरी अथापथु साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मुकाबले में 195 रन की नाबाद पारी भी खेल चुकी हैं।

श्रीलंका की ओर से वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली महिला बल्लेबाजों में शशिकला सिरिवर्धने दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2003 से 2019 के बीच 118 मुकाबलों में 18.44 की औसत के साथ 2,029 रन जुटाए। इस दौरान उन्होंने 7 अर्धशतकीय पारियां भी खेलीं।

नवी मुंबई में जारी इस मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है। श्रीलंकाई टीम को मुकाबले की पहली ही गेंद पर विशमी गुणरत्ने (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद कप्तान अथापथु ने हसिनी परेरा के साथ मिलकर टीम को संभाला। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी हुई। फिलहाल श्रीलंका ने 16 ओवरों के खेल तक 3 विकेट खोकर 92 रन बना लिए हैं।

श्रीलंकाई टीम इस विश्व कप अब तक 5 मुकाबले खेल चुकी है, जिसमें एक भी जीत नसीब नहीं हुई। यह टीम अंकतालिका में सातवें पायदान पर है। वहीं, बांग्लादेश पांच में से एक मैच जीतकर छठे स्थान पर है।

श्रीलंका की प्लेइंग इलेवन = विशमी गुणरत्ने, चामरी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), उदेशिका प्रबोधनी, सुगंधिका कुमारी, मल्की मदारा, इनोका राणवीरा।

बांग्लादेश की प्लेइंग इलेवन = फरगाना हक, रुब्या हैदर, शर्मिन अख्तर, निगार सुल्ताना (कप्तान/विकेटकीपर), शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, नाहिदा अख्तर, राबिया खान, निशिता अख्तर निशि, मारुफा अख्तर।